देशबन्धु

वर्ष – 34 I अंक – 230 I भोपाल, रविवार 20 अगस्त 2023 I पृष्ठ–8 I मूल्य – 3.00 रुपए

ग्रामीण स्वास्थ्य संस्थाओं में मिलीं खामियां पृष्ठ 3

- कला किसी की बपौती नहीं है
- एक आज़ाद ख्याल अफ़साना निगार

पृष्ठ 4

- बैतूल रोड पर बस ड्राइवर की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

पृष्ठ 6

इंतजार खत्म, सीजन में पहली बार खुले तवा बांध के गेट पृष्ठ 7

सार-समाचार

कांग्रेस ने सिर्फ नारा दिया, भाजपा ने 14 करोड़ लोगों को गरीबी से मुक्ति दिलाई

ग्वालियर, देशबन्धु। इंदिरा गांधी जब प्रधानमंत्री थी तब देश सुनता था कि गरीबी हटाएंगे। सरकारें बदलती रहीं पर गरीबी नहीं हटी, लेकिन मुझे यह कहते हुए खुशी है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 9 साल में 14 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं और प्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के नेतृत्व में 1.36 करोड़ लोगों को गरीबी से मुक्ति मिली हैं, यह बड़ी उपलब्धि है। यह बात केन्द्रीय मंत्री एवं प्रदेश चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नरेन्द्र सिंह तोमर ने आज ग्वालियर में आयोजित पत्रकार-वार्ता में कही। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस नेतृत्वहीनता से कांग्रेस गुजर रही है। जहां तक कांग्रेस का सवाल है तो उनके पास न तो विषय है और न ही कोई मुद्दा है। वो कुछ भी असत्य आरोप लगाकर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन जनता उनके बहकावे में आने वाली नहीं है। मैं कांग्रेस से कहना चाहता हूं कि किसी उपलब्धि पर जिक्र करना चाहते हैं तो करना चाहिए। 2003 के पहले कांग्रेस की क्या उपलब्धि थी, 2014 से पहले कांग्रेस के समय केन्द्र सरकार की क्या उपलब्धि थी, चुनाव में यह सब जनता के समक्ष परोसेंगे तो स्वस्थ प्रतिष्पर्धा होगी।

रतन टाटा को 'उद्योग रत्न' पुरस्कार मिला

मुंबई, एजेंसी। भारत के दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा को शनिवार को 'उद्योग रत्न' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान व्यक्तिगत रूप से मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उप मुख्यमंत्रियों देवेंद्र फडणवीस और अजीत पवार ने दिया। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में टाटा के अहम योगदान पर प्रकाश डाला गया। रतन टाटा के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उनके आवास पर कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां उन्हें उद्योग रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह असाधारण सम्मान महाराष्ट्र सरकार द्वारा शुरू किए गए सम्मानित पुरस्कारों की श्रृंखला में नया जोड़ा गया है।

मानवाधिकार आयोग ने कश्मीर के मुख्य सचिव को किया तलब

श्रीनगर, एजेंसी। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने आतंकवाद से पीड़ित की याचिका पर अगले महीने आयोग के समक्ष पेश होने के लिए जम्मू कश्मीर के मुख्य सचिव को समन जारी किया है। आयोग की ओर से एनएचआरसी के सहायक रजिस्ट्रार (कानून) देबिंद्र कुंद्रा ने नोटिस जारी किया। वर्ष 2020 में प्रसिद्ध कश्मीरी पंडित लेखक और कवि सर्वानंद कौल प्रेमी के पुत्र राजिंदर प्रेमी ने आयोग के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी, जिनकी अप्रैल 1990 में आतंकवादियों ने हत्या कर दी थी। शिकायत प्रथम जम्मू-कश्मीर राज्य मानवाधिकार आयोग की डिवीजन बेंच के फैसले के कार्यान्वयन में देरी को लेकर, जम्मू-और कश्मीर राज्य में आतंकवाद प्रभावित परिवारों की दुर्दशा के प्रति सरकार की उदासीनता के संबंध में थी।

ईडी ने 24 अगस्त को हेमंत सोरेन को बुलाया

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जमीन हड़पने के एक मामले में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को 24 अगस्त को पेश होने के लिए बुलाया है। इससे पहले, सोरेन को 14 अगस्त को जांच में शामिल होने के लिए कहा गया था, लेकिन उन?होंने एजेंसी से और समय मांगा। इससे पहले अवैध खनन मामले में मुख्यमंत्री से ईडी के रांची कार्यालय में उनकी पत्नी समेत करीब 10 घंटे तक पूछताछ की गयी थी। जमीन कब्जा मामले में ईडी ने एक आईएएस अधिकारी समेत 13 लोगों को गिरफ्तार किया है।

पत्रकार हत्या मामले में 4 गिरफ्तार

अररिया, एजेंसी। बिहार के अररिया जिला के रानीगंज में शुक्रवार को एक हिंदी दैनिक समाचार पत्र के पत्रकार विमल कुमार यादव की हत्या के मामले में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक मृतक विमल के पिता हरेन्द्र प्रसाद सिंह के बयान के आधार पर रानीगंज थाना में इस मामले की प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। दर्ज प्राथमिकी में 8 लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि 8 नामजद आरोपियों में से शुक्रवार की रात 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बढ़ी हुई कीमतों को लेकर सतर्क हुई सरकार

प्याज निर्यात पर लगाई पाबंदी

प्याज पर दिसंबर तक 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लागू

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने देश से प्याज के निर्यात पर पाबंदियां लगा दी है। सरकार ने घरेलू बाजार में प्याज की उपलब्धता सुनिश्चित करने और इसकी कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए यह कदम उठाया है। इसके तहत प्याज के निर्यात पर 40 फीसदी का भारी-भरकम शुल्क लगा दिया गया है, जो इस साल के अंत तक प्रभावी रहने वाला है।

केंद्र सरकार ने प्याज के निर्यात पर लगाए गए शुल्क को लेकर शनिवार की शाम अधिसूचना जारी की। अधिसूचना में कहा गया कि सरकार ने प्याज के निर्यात पर 31 दिसंबर 2023 तक के लिए 40 फीसदी का

शुल्क लगाने का निर्णय लिया है।

भाव बढ़ने की जताई जा रही थी आशंका

सरकार ने प्याज के निर्यात पर यह पाबंदी ऐसे समय लगाई है, जब टमाटर के बाद प्याज के भाव आसमान छूने की आशंकाएं जताई जा रही थी। ऐसा कहा जा रहा था कि सितंबर से प्याज की कीमतें चढ़ने लगेंगी और आम लोगों को महंगाई के नए झटके देगी। इस आशंका के मद्देनजर पहले से अनुमान था कि सरकार प्याज के निर्यात पर रोक लगाने की दिशा में उपाय कर सकती है। प्याज के निर्यात पर पाबंदी लगने से यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि घरेलू बाजार में इसकी उपलब्धता बनी रहे। घरेलू बाजार में पर्याप्त उपलब्धता बनी रहने से प्याज की कीमतें बेकाबू होने का कम जोखिम रहेगा। वहीं इसके अलावा सरकार घरेलू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बफर स्टॉक से भी प्याज निकलने वाली है।

मई के बाद से बढ़ रही है महंगाई

टमाटर, सब्जियों व मसालों के भाव में लगी आग के चलते मई के बाद फिर से महंगाई बढ़ने लगी है। जुलाई में खुदरा महंगाई की दर कई महीनों के बाद 7 फीसदी के पार निकल गई थी। हाल ही में रिजर्व बैंक ने अपने बुलेटिन में आशंका जाहिर की है कि सितंबर तिमाही में खुदरा महंगाई 6 फीसदी से ज्यादा रह सकती है, जो कि उसकी अपर लिमिट है।

भारत व चीन में मेजर जनरल स्तर की हुई वार्ता

लद्दाख में गतिरोध दूर करने की हो रही कोशिश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना और चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने शुक्रवार को पूर्वी लद्दाख में गतिरोध दूर करने को दौलत बेग ओल्डी (डीबीओ) और चेसुल क्षेत्रों में मेजर जनरल स्तर की वार्ता की। इसमें भारत का प्रतिनिधित्व मेजर जनरल पीके मिश्रा और मेजर जनरल हरिहरन ने किया।

यहां लद्दाख के देपसांग स्थित मैदान और डेमचोक क्षेत्र में जारी गतिरोध को हल करने के लिए यह वार्ता आयोजित की गई थी। सेना का कहना है कि बातचीत स्पष्ट और व्यावहारिक माहौल में हुई। दोनों पक्षों ने पश्चिमी क्षेत्र में एलएसी के साथ शेष मुद्दों के समाधान पर सकारात्मक, रचनात्मक और गहन चर्चा की। नेतृत्व द्वारा प्रदान किए गए मार्गदर्शन के अनुरूप, उन्होंने खुले और दूरदर्शी तरीके से विचारों का आदान-प्रदान किया। इससे पहले 14 अगस्त को भारतीय सेना और चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के बीच कोर कमांडर-स्तरीय वार्ता हुई थी।

लगभग 3 साल से टकराव की स्थिति

लगभग तीन साल से यहां भारत और चीन की सेनाओं के बीच टकराव की स्थिति हैं। हालांकि इस दौरान दोनों पक्षों ने व्यापक राजनयिक और सैन्य वार्ता के बाद कई क्षेत्रों से सैनिकों वापसी सुनिश्चित की है। इकसे बावजूद देपसांग और डेमचोक में अभी भी तनाव कायम है। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) द्वारा पूर्वी लद्दाख में कई स्थानों पर समझौतों का उल्लंघन करने और वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) का उल्लंघन करने के बाद पूर्वी लद्दाख में तनाव पैदा होने के बाद कोर कमांडर स्तर की वार्ता 2020 में शुरू की गई थी। भारत ने डी-एस्केलेशन की मांग की है, इसमें सभी अतिरिक्त सैनिकों और उपकरणों को एलएसी के अग्रिम क्षेत्रों में अप्रैल 2020 से पहले की स्थिति में वापस ले जाना शामिल है।

शाह आज जारी करेंगे राज्य सरकार का रिपोर्ट कार्ड

विकास कार्यों, उपलब्धियों और योजनाओं का रखा जाएगा ब्यौरा

भोपाल, देशबन्धु। भाजपा के वरिष्ठ नेता केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह रविवार को भोपाल में प्रदेश सरकार का रिपोर्ट कार्ड जारी करेंगे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा इस अवसर पर मौजूद रहेंगे। इस रिपोर्ट कार्ड में 2003 से लेकर 2023 तक भाजपा सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों, उपलब्धियों और योजनाओं का ब्यौरा रखा जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार श्री शाह रविवार को वायुसेना के विमान से दोपहर 12:05 बजे भोपाल पहुँचेंगे। वे कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में दोपहर 12:25 से 1:25 तक गरीब कल्याण महा-अभियान के 20 वर्ष पर रिपोर्ट कार्ड जारी करेंगे। श्री शाह दोपहर 2:40 बजे भोपाल से रवाना होकर दोपहर 3:30 बजे ग्वालियर पहुँचेंगे और यहां प्रदेश भाजपा कार्य समिति की बैठक में शामिल होंगे।

इस बैठक का शुभारंभ पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश करेंगे। जबकि समापन शाम 4 बजे केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह करेंगे। प्रदेश कार्य समिति की इस बैठक में प्रदेश भर के करीब डेढ़ हजार पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल होंगे। प्रदेश में नवंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों की दृष्टि से यह बैठक काफी महत्वपूर्ण है।

सात तरह के वैज्ञानिक पेलोड लेकर जाएगा 'आदित्य-एल1'

चेन्नई, एजेंसी। अगले कुछ दिनों में अंतरिक्ष की उड़ान भरने वाला भारत का पहला सौर अन्वेषण मिशन 'आदित्य-एल1 उपग्रह' सूर्य का व्यवस्थित अध्ययन करने के लिए सात वैज्ञानिक पेलोड ले जाएगा। खास बात यह है कि यह सभी पेलोड देश की ही विभिन्न प्रयोगशालाओं में विकसित किए गए हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान केन्द्र ने कहा कि आदित्य-एल1 मिशन सूर्य का व्यवस्थित अध्ययन करने के लिए सात वैज्ञानिक पेलोड का एक सूट ले जायेगा। इनमें सौर कोरोना और कोरोनल मास इजेक्शन की गतिशीलता का अध्ययन करने के लिए विजिबल एमिशन लाइन कोरोनाग्राफ, अल्ट्रा-वायलेट के निकट सौर प्रकाशमंडल और क्रोमोस्फीयर की तस्वीरें लेने तथा यूवी के निकट सौर विकिरण भिन्नता को भी मापने के लिए सौर अल्ट्रा-वायलेट इमेजिंग टेलीस्कोप पेलोड है।

मुख्यमंत्री ने सीहोर में खजूरी माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना का भूमि पूजन किया, कहा-

प्रदेश के हर गांव और हर खेत में पानी पहुंचाने का संकल्प है

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश के हर गाँव और हर खेत में पानी पहुँचाने का हमारा संकल्प है। प्रदेश में सभी का आर्थिक सशक्तिकरण करके रहेंगे। बहनों की आमदनी कम से कम 10 हजार रुपए करने की कोशिश की जा रही है। मुख्यमंत्री जन आवास योजना के तहत सर्वे कराकर पात्र लोगों को पक्के मकान बनाकर दिए जाएंगे। अपने स्कूल में 12वीं कक्षा में टॉप करने वाले छात्रों को स्कूटर और छात्राओं को स्कूटी दी जाएगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान सीहोर जिले के भिलाई ग्राम में 1533 लाख 64 हजार रुपए की लागत की खजूरी माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना का भूमि-पूजन और बारेला समाज के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम में सांसद रमाकांत भार्गव, मुख्यमंत्री श्री चौहान की धर्मपत्नी श्रीमती साधना सिंह, श्री कार्तिकेय चौहान, मध्यप्रदेश राज्य अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम की अध्यक्ष श्रीमती निर्मला बारेला, पूर्व मंत्री अंतर सिंह आर्य और जन-प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में अनुसूचित जनजाति के भाई-बहन उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पहले इस क्षेत्र में पानी, सिंचाई, बिजली, सड़क की कमी थी। मैंने मुख्यमंत्री बनते ही पानी, सिंचाई, बिजली की सुविधाएँ उपलब्ध कराईं और सड़कों का जाल बिछाया। नर्मदा जल, पाइप लाइन बिछाकर घरों में नल से पहुँचाने का कार्य चल रहा है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में बहनों के खाते में हर माह एक-एक हजार रुपए की राशि डाली जा रही है। इसे धीरे-धीरे बढ़ाकर 3 हजार रुपए किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि लाड़ली लक्ष्मी योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, गाँव से बाहर पढ़ाई करने जाने वाले विद्यार्थियों को नि:शुल्क साइकिल प्रदाय योजना सहित अनेक योजनाएँ चलाई जा रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पहले अनुसूचित जनजाति के भाई-बहनों पर अत्याचार, अन्याय होता था। हमारी सरकार ने अनुसूचित जनजाति पर होने वाले अत्याचारों को रोका ही नहीं बल्कि राज्य सरकार विकास के नए कीर्तिमान गढ़ रही है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मैंने पैदल यात्रा निकालकर अनुसूचित जनजाति समाज में जागृति उत्पन्न करने और उनको अपना अधिकार प्राप्त करने के प्रति जागरूक किया। प्रदेश में माफियाओं से जमीन का कब्जा हटाया और गरीबों को पट्टे देने का कार्य किया गया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बेटे-बेटियों की पढ़ाई- लिखाई में कोई कमी नहीं होने देंगे। युवाओं को स्व-रोजगार के लिए लोन दिया जा रहा है। आज गरीबों को मुफ्त में राशन, बेटियों की शादी, लाड़ली बहनों को एक हजार रुपए देने जैसी कई योजनाएँ क्रियान्वित कर लोगों की जिंदगी बदलने का कार्य किया जा रहा है।

अलग अंदाज में नजर आए कांग्रेस नेता

राहुल ने लेह से पैंगोंग झील तक बाइक दौड़ाई

लेह, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी लद्दाख की यात्रा पर हैं। कांग्रेस नेता की बाइक राइड करते हुए कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। राहुल गांधी ने शनिवार को लेह शहर से सुरम्य पैंगोंग झील तक अपनी केटीएम 390 ड्यूक बाइक दौड़ाई।

इस दौरान राहुल गांधी का अंदाज एकदम अलग नजर आया। राहुल गांधी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट भी किया। राहुल गांधी ने लिखा कि पैंगोंग झील जा रहा हूं। मेरे पिता कहा करते थे कि ये दुनिया की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। राहुल ने लेह, लद्दाख और पैंगोंगत्सो के हैशटैग का भी इस्तेमाल किया। कांग्रेस नेता गुरुवार को लेह पहुंचे थे, जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। वह 25 अगस्त तक लद्दाख में रहेंगे। शुक्रवार को उन्होंने लेह में युवाओं से बातचीत की और एक फुटबॉल मैच में भी हिस्सा लिया। रविवार को राहुल गांधी अपने दिवंगत पिता और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर पैंगोंग झील पर उन्हें श्रद्धांजलि देंगे। बाद में वह कारगिल भी जाएंगे और वहां एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करेंगे। इस साल की शुरुआत में राहुल गांधी दिल्ली की करोल बाग बाइक मार्केट पहुंचे थे। यहां पर राहुल गांधी ने जिक्र किया था कि उनके पास ड्यूक 390 बाइक है, लेकिन सुरक्षा चिंताओं के कारण वह शहर में शायद ही इसे चला पाते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात हाईकोर्ट को लगाई फटकार

दुष्कर्म पीड़िता के गर्भपात की याचिका टालने पर जताई नाराजगी

- न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना व न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने की 'विशेष सुनवाई
- नवीनतम स्थिति रिपोर्ट पेश करने को कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने एक बलात्कार पीड़िता की गर्भपात कराने की उसकी याचिका को 12 दिनों तक टालने पर गुजरात उच्च न्यायालय की शनिवार को कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि ऐसे मामले में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं, बल्कि तत्परतापूर्वक निपटा जाना चाहिए। गुजरात उच्च न्यायालय में सुनवाई टालने का आदेश 17 अगस्त को पारित किया गया था।

न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने गुजरात के एक मामले में 'विशेष सुनवाई' करते हुए भ्रूण को हटाने की संभावना का पता लगाने के लिए भ्रूच के एक मेडिकल बोर्ड से एक नई रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। पीठ ने कहा कि वह इस मामले में सोमवार को अगली सुनवाई कर इस मसले पर विचार करेगी। पीड़िता के अधिवक्ता ने पीठ के समक्ष कहा कि उच्च न्यायालय ने मामले की तारीख 23 अगस्त तय की है, जिससे उसकी गर्भावस्था 28 सप्ताह की हो जाएगी। अधिवक्ता ने हालांकि कहा कि, याचिका सात अगस्त को दायर कई और 11 अगस्त को सुनवाई हुई थी। उन्होंने शीर्ष अदालत के समक्ष यह भी कहा कि याचिकाकर्ता महिला को चार अगस्त को अपनी गर्भावस्था के बारे में पता चला और उसने सात अगस्त को उच्च न्यायालय के समक्ष रिट याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने शीर्ष

अदालत की पीठ के समक्ष यह भी कहा कि इस मामले में उच्च न्यायालय का आदेश रिकॉर्ड पर भी उपलब्ध नहीं था। शीर्ष अदालत की पीठ ने उच्च न्यायालय का आदेश उपलब्ध नहीं होने की याचिकाकर्ता के वकील की बात पर कहा, अगर विवादित आदेश मौजूद ही नहीं है तो हम कोई आदेश कैसे पारित कर सकते हैं। इस मामले को स्थगित करने में मूल्यवान दिन बर्बाद हो गए हैं। देखिए, ऐसे मामलों में तात्कालिकता की भावना होनी चाहिए न कि उदासीन रवैया। हमें ऐसी टिप्पणियाँ करने के लिए खेद है।

- हाई कोर्ट ने 12 दिनों तक टाल दी थी याचिका
- 23 अगस्त को 28 सप्ताह की हो जाएगी गर्भावस्था

हम इसे सोमवार को पहले मामले के रूप में सूचीबद्ध करेंगे। शीर्ष अदालत ने आगे कहा कि चूंकि कीमती समय पहले ही बर्बाद हो चुका है, इसलिए भ्रूच के मेडिकल बोर्ड से नई रिपोर्ट मांगी जा सकती है। न्यायमूर्ति नागरत्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, हम याचिकाकर्ता को एक बार फिर से पूछताछ के लिए केएमसीआरआई के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश देते हैं और नवीनतम स्थिति रिपोर्ट कल रविवार शाम छह बजे तक इस अदालत में प्रस्तुत की जा सकती है।

केंद्र और राज्य सूचना आयोगों को जारी किया निर्देश

आरटीआई के तहत सूचनाएं प्रदान करें

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सूचना आयोगों को निर्देश जारी कर कहा है कि वे यह तय करें कि सार्वजनिक अधिकारी आरटीआई के तहत मांगी गई सूचनाओं को प्रदान करें। सीजेआई डी.वाई. चंद्रचूड़, जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जे.बी. पारदीवाला की पीठ ने केंद्रीय सूचना आयोग और राज्य सूचना आयोगों को आरटीआई अधिनियम की धारा 4 के अधिदेश के कार्यान्वयन की निरंतर निगरानी करने का निर्देश दिया। सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 4 में कहा गया है कि सभी सार्वजनिक प्राधिकरण स्वत: संज्ञान लेकर सूचना का खुलासा करने के लिए निरंतर प्रयास करेंगे।जनता नियमित अंतराल पर इंटरनेट और अन्य माध्यमों का उपयोग कर रही है। इस तरह के प्रावधान को लागू करने का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि जानकारी उपलब्ध हो। आरटीआई कार्यकर्ता व वकील केसी जैन ने जनहित याचिका को शीर्ष अदालत के समक्ष प्रस्तुत करते हुए कहा कि पिछले चार वर्षों में किए गए पारदर्शिता ऑडिट से पता चलता है कि खुलासे कानून के अनुसार नहीं किए गए।

सार समाचार

कचरे को लेकर भिड़ी सास के साथ बहू ने की मारपीट

गुना, देशबन्धु। जिले के म्याना थानांतर्गत खुटियावद में कचरे को लेकर सास-बहू आपस में भिड़ गई। जिसमें बहू ने सास के साथ मारपीट कर दी। सास की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी बहू पर मारपीट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादिया गुड्डीबाई पत्नि रतिराम साहू (40) निवासी ग्राम खुटियाबद ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई कि आज गत सुबह वह अपने दरवाजे पर झाड़ू लगा रही थी। तभी उसकी बहू पूजा साहू बोली की हमारे तरफ कूड़ा क्यो उटचा रही हो। इसी बात पर बहू पूजा एवं उसके बेटे मोनू ने गाली गलांच कर मारपीट कर दी।

कस्तूरबा कॉलेज में लगा विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण शिविर

गुना, देशबन्धु। शासकीय कस्तूरबा कन्या महाविद्यालय में शनिवार को विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2023 के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान चलाया।कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय में मतदान हेतु बनाए गए मतदान केंद्र क्रमांक 32, 33 और 35, 36 के बीएलओ सौरभ जगदाले, राम सिंह नरवरिया, बृजवल्लभ शुक्ला एवं सौरव गुप्ता जो की मतदाता कार्ड में नाम जोडने एवं परिवर्तन एवं मतदाता संबंधी सभी समस्याओं का निराकरण कर रहे हैं, को आमंत्रित किया गया।

इस अवसर पर सौरभ जगदाले ने छात्राओं को ऑनलाइन (वोटर हेल्पलाइन अप) एवं ऑफलाइन मतदाता कार्ड बनवाने हेतु नाम जोडने एवं नाम परिवर्तन से संबंधित विस्तार से मार्गदर्शन दिया डॉ. विनीता जैन ने बताया कि महाविद्यालय में पढ़ रही सभी छात्रों को वोटर आईडी कार्ड बनवाना अनिवार्य है जिन छात्राओं के कार्ड बन चुके हैं वे महाविद्यालय को सूचित करें। जो छात्राएं 1 अक्टूबर 2023 की स्थिति में 18 वर्ष की हो चुकी है या हो रही हैं उन्हें भी वोटर हेल्पलाइन एप के जरिए वोटर कार्ड बनवाना अनिवार्य है।

प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की परीक्षा में 1685 परीक्षार्थी हुए सम्मिलित

डीएलएड की परीक्षाएं जारी

गुना, देशबन्धु। शहर के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, एमएलबी स्कूल सहित विभिन्न स्कूलों के परीक्षा केंद्र पर डीएलएड की प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की परीक्षाएं जारी हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार सचिव माध्यमिक शिक्षा मण्डल मप्र भोपाल के निर्देशानुसार मण्डल द्वारा संचालित प्रारंभिक शिक्षा में पत्रोपाधि पाठ्यक्रम डी.एल.एड. नियमित परीक्षा प्रथम वर्ष एवं द्वितीय परीक्षाएं 28 अगस्त तक निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जा रही हैं। प्राचार्य उमावि गुना ने बताया कि शनिवार को जिले में पांच परीक्षा केंद्रों पर डी.एल.एड. प्रथम वर्ष के 1055 दर्ज में से 1041 परीक्षार्थी उपस्थित रहे एवं डी.एल.एड. द्वितीय वर्ष में 653 दर्ज में से 644 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। परीक्षा के सफल संचालन के लिए जिला स्तर विभिन्न अधिकारियों को उडनदस्ता दल एवं प्रेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है।

सड़क किनारे खड़ी बोरवेल मशीन में कंटेनर ने मारी टक्कर, मजदूर की मौत

गुना, देशबन्धु। शहर के कैंट थानांतर्गत बायपास रोड पर सडक़ किनारे खड़ी बोरवेल मशीन में पीछे में से कंटेनर ने टक्कर मार दी। जिससे मशीन में सवार एक मजदूर की मौत हो गई। घटना शुक्रवार-शनिवार दरम्यानी रात की है जब बोरवेल चालक सडक़ किनारे मशीन खड़ी करके लघुशंका को गया था। तभी पीछे से आ रहे भारी वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें मशीन में सवार मुंगावली के मिनख्याई निवासी मजदूर की मौत हो गई। शनिवार सुबह मजदूर के शव का पीएम कराकर पुलिस ने शव परिजनों को सौंपा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मुंगावली थानांतर्गत ग्राम मिनख्याई निवासी तूफान सिंह बोरवेल की मशीन पर मजदूरी करता था। गत दिवस मशीन काम करके लौट रही थी। इसी दौरान शुक्रवार-शनिवार की रात करीब 2 बजे मशीन चालक बायपास रोड पर मशीन को साईड में लगाकर लघुशंका को जा रहा था। तभी में पीछे से आ रहे एक बड़े कंटेनर ने टक्कर मारी। जिसमें तूफान मोंगिया की मौके पर ही मौत हो गई।

सायकिल सवार नेत्रहीन बालक को बाईक सवार ने मारी टक्कर : इधर जिले के आरोन थानांतर्गत पठार मोहल्ला में एक नेत्रहीन बालक को तेज रफ्तार बाईक सवार ने टक्कर मार दी। जिसमें बालक लहूलुहान हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी नीलेश पिता घनश्याम अहिरवार (12) निवासी पठार मोहल्ला ने शिकायत दर्ज कराइर्ज़ कि शुक्रवार दोपहर 3 बजे वह अपनी सायकिल से बड़े भाई छोटू जिसे आँखों से नहीं दिखता है जो नेत्रहीन है, उसे सायकल पर बैठाकर कटिंग कराने जे रहा था। तभी एसबीआई बैंक के पास पहुँचा तो सामने से एक मोटर सायकल लाल रंग की मोटर सायकल का चालक अपनी मोटर सायकल को तेजी व लापरवाही से चलाकर लाया और सायकल मे टक्कर मार दी।

जिसमें उसका भाई छोटू बुरी तरह घायल हो गया। वहीं मोटर सायकल चालक अपनी मोटर सायकल को चलाकर भाग गया।

प्रियंका-कमलनाथ पर एफआईआर के खिलाफ एनएसयूआई ने किया प्रदर्शन, फूंका पुतला

गुना, देशबन्धु। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ पर एफआईआर के विरोध में शनिवार को एनएसयूआई ने हनुमान चौराहे पर प्रदर्शन कर शिवराज सरकार का पुतला फूंका। इस दौरान मप्र में भाजपा सरकार पर 50 फीसदी का कमीशन लेने के आरोप लगाते हुए नारेबाजी की। इस मौके पर एनएसयूआई कार्यकर्ता ने बताया कि लघु ठेकेदार संघ ने उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को पत्र लिखकर अवगत कराया कि मप्र सरकार ठेकेदारों के बिल पास करने के एबज में 50 प्रतिशत कमीशन लेती है। इसी पोस्ट को हमारे शीर्ष नेताओं द्वारा सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया। लेकिन सच को स्वीकार नहीं करते हुए शिवराज सरकार ने हमेशा की तरह पुलिस को आगे करते हुए गलत तरीके से पुलिस पर दबाव बनाकर प्रियंका गांधी, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ पर एफआईआर दर्ज करवा दी।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने मांग की कि हमारी मांग है कि तत्काल महासचिव गांधी व कमलनाथ के खिलाफ दर्ज एफआईआर को शिवराज सरकार वापस ले, अन्यथा एनएसयूआई उग्र आंदोलन करेगी। इस मौके पर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने शिवराज सरकार द्वारा किए गए महाकाल लोक घोटाला एवं अन्य घोटालों के बारे में बताया।

प्रदर्शन के दौरान एनएसयूआई जिलाध्यक्ष फालेशू राज सिंह, आकाश रघुवंशी, अभिषेक रघुवंशी, संत राम जाट, विशाल चौहान, अमन रघुवंशी, शिवम रघुवंशी, हर्ष यादव, राज ठाकुर, हानि सिंह, दीपक यादव, आदित्य रघुवंशी एवं समस्त एनएसयूआई के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राशन दुकान से वितरित चावल, प्लास्टिक चावल नहीं हैं, भ्रामक जानकारियों से बचें

गुना, देशबन्धु। जिला आपूर्ति अधिकारी द्वारा बताया गया कि जिले के सभी शासकीय उचित मूल्य दुकान से राशन प्राप्त हितग्राहियों को सूचित किया जा रहा है कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित फोर्टिफाईड चावल व डबल फॉर्टिफाइड नमक जो कि उचित मूल्य दुकानों से मध्या?ह भोजन, आंगनबाडी एवं छात्रावास पर वितरण होता है। गुना जिले में फोर्टिफाईड चावल वर्ष जुलाई 2022 से एवं डबल फोर्टिफाईड नमक वर्ष अगस्त 2022 से सभी शासकीय उचित मूल्य दुकान में वितरण किया जा रहा है।

फोर्टिफाईड चावल में आयरन मिलाने हेतु चावल में 1 प्रतिशत एफआरके दाना (1 क्विंटल सामान्य चावल में 1 कि.ग्रा. एफआरके दाना) मिलाया जाता है, जो कि पानी से धोने पर तैरने लगता है। उक्त चावल कण को पकाने के समय चावल से अलग न किया जाये, उक्त चावल कण पोष्टिक आहार में सम्मलित किया गया है। यह जनवरी माह से मध्यप्रदेश के सभी जिलों में वितरित किया जा रहा है। कृपया ध्यान रखे यह प्लास्टिक चावल नहीं है, भ्रामक जानकारियों से बचे। इसी प्रकार डबल फोर्टिफाईड नमक वर्ष अगस्त 2022 से म.प्र. शासन के निती आयोग द्वारा चयनित आंकाक्षी आठ जिलों में जो कि गुना, खण्डवा, राजगढ़, सिंगरोली, दमोह, विदिशा, छतरपुर, बडवानी में पायलेट प्रोजेक्ट में रूप में वान्या प्लस आयोडीन एवं आयरन युक्त डबल फॉर्टिफाईड नमक ' 'वान्या प्लस नाम से शासकीय उचित मूल्य दुकान से प्रदाय किया गया है, जो कि वर्तमान में मध?यप्रदेश के 32 जिलों में (उच्च प्राथमिकता वाले जिले एवं आंकाक्षी जिले में) सभी उचित मूल्य दुकानों पर वितरण किया जा रहा है। लोगों को यह भ्रम है कि उक्त डबल फॉर्टिफाईड नमक में काले बारीक कण पाये गये हैं, जो कि वास्तविकता में आयरन (लोह तत?व) के कण हैं, जब यह कण गर्म पानी में घुलते हैं, तो हल्का काला रंग पड़ सकता है, जो कि आयरन मिश्रित होने का सूचक है, जिससे खून की कमी (एनीमिया) दूर होती है।

फोर्टिफाईड चावल व डबल फोर्टिफाईड नमक में कोई समस्या आने पर जिला कार्यालय खाद्य शाखा गुना में संपर्क किया जा सकता है।

अतुल बने सचिव, ब्रजेश उपाध्यक्ष तो सौरभ बने कोषाध्यक्ष

जिला कर सलाहाकर संघ के चुनाव संपन्न, निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए निकलंक

गुना, देशबन्धु। जिला कर सलाहकार संघ के चुनाव गत दिवस सम्पन्न हुए। जिसमें निर्विरोध एडवोकेट निकलंक जैन को अध्यक्ष चुना गया। इस दौरान वर्ष 2023-24 की नवीन कार्यकारिणी के अध्यक्ष निकलंक जैन, सचिव सीए अतुल अग्रवाल, उपाध्यक्ष सीए ब्रजेश अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष एडवोकेट सौरभ जैन चुने गये। चुनाव अधिकारी संघ के संरक्षक वरिष्ठ एडवोकेट शिखर चंद जैन एव उमेश चंद जैन रहे। इस मौके पर आगामी निर्वाचित अध्यक्ष वर्ष 2024-25 के सीए बृजेश अग्रवाल को चुना गया। इस अवसर पर वर्ष 22-23 के अध्यक्ष राकेश तिवारी, सचिव पंकज वैश्य सीए ने नवीन कार्यकारिणी को चार्ज सौंपा। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट संजय जैन ने किया।

कार्यक्रम के दौरान संघ के संरक्षक वरिष्ठ सदस्य शिखरचंद जैन ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि राजस्व वसूली के बिना देश के विकास एवं उन्नति की परिकल्पना नहीं की जा सकती है। इसमें कर सलाहकारों की महत्ती भूमिका होती है। जीएसटी में होने वाले कठिनाईयों को सरकार को और सरल बनाना चाहिए। वहीं व्यापारियों व व्यवसाईयों को ईमानदारी के साथ कर कानूनों का पालन कर देश निर्माण में अपनी भूमिका निभानी होगी। आशावादी एवं सकारात्मक सोच से हम जीएसटी को सरल प्रक्रिया में ढाल पाएंगे। इस अवसर पर कर सलाहकार संघ के पूर्व अध्यक्ष राकेश तिवारी ने कहा कि मेरे अध्यक्षीय कार्यकाल में संघ के सभी सदस्यों का मुझे भरपूर सहयोग मिला। सभी के सहयोग से व्यापारियों के हित में अनेक कार्य किए। वहीं नवनियुक्त अध्यक्ष निकलंक जैन ने कहा कि हम अधिकारियों एवं सरकार के मंत्रियों से भी मिलकर कर सलाहकार, सीए एवं व्यापारियों के हित में उनकी समस्या को दूर करने के प्रयास करेंगे। वहीं जीएसटी विधान सेमीनार एवं जीएसटी ट्रेनिंग जल्द आयोजित की जाएगी।

खाद्य विभाग ने राजस्थानी कचौड़ी से भरे सैंपल

गुना, देशबन्धु। जिले में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी नवीन जैन, रवि शिवहरे एवं लखन लाल कोरी द्वारा फर्म माँ कृपा एन्टरप्राइजेज विवेक कॉलोनी कैन्ट, गुना का निरीक्षण कर पानी पाउच, फर्म श्री राजस्थानी कचौड़ी कॉर्नर, हाट रोड, गुना से मलाई बर्फी एवं नमकीन सेव, फर्म नवीन जनरल स्टोर तलैया मोहल्ला, गुना से घी, तिल्ली तेल एवं कुकिंग मीडियम के नमूने जाँच हेतु लिये गये। उक्त नमूनों को जाँच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजा गया है।

युवक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी, कारण अज्ञात

- मोटरसाईकिल की टक्कर से राहगीर घायल

आष्टा, देशबन्धु। नगर थाना अंतर्गत ग्राम अरनियाराम में एक युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने इस मामले में पंचनामा बनाकर मर्ग कायम कर लिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक ग्राम अरनियाराम में रहने वाले 45 वर्षीय लाड़सिंह पिता लक्ष्मणसिह मालवीय ने जंगल में आम के पेड़ से रस्सी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने राजेश मालवीय की सूचना पर मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।

वहीं नगर थाना अंतर्गत राहगीर को मोटराईकिल चालक ने मारी टक्कर। पुलिस ने बताया कि फरियादी संतोष पिता प्यारेलाल निवासी मेवाड़ा कॉलोनी कन्नौद रोड पर पैदल जा रहा था। तभी मोटरसाईकिल क्रमांक एमपी 41 एमके 6018 के चालक ने तेज व लापरवाहीपूर्वक चलाकर टक्कर मार दी। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया।

शराब के पैसे नहीं देने पर की मारपीट : नगर थाना अंतर्गत शराब के पैसे नही देने पर की मारपीट पुलिस ने बताया कि फरियादी सोनू पिता चंदसिंह मेवाड़ा निवासी इंदिरा कॉलोनी को आरोपी राजा राठौर ने अड़ीबाजी करते हुए शराब के लिए रूपये छीने और गाली गलौच कर मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध विभिन्न धाराओ के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया।

सटोरिया पुलिस के हत्थे चढ़ा : नगर थाना अंतर्गत पुलिस ने सट्टा लिखते हुए पकड़ा। पुलिस ने बताया कि आरोपी नफीस खां पिता रफीक खां निवासी त्रिपोलिया कसाईपुरे चौराहे पर गुमठी की आड़ से सट्टा लिख रहा था।

पुलिस ने आरोपी के पास से 320 रुपए सट्टा पर्ची लीड जब्त की। तभी एसआई चंद्रशेखर डिगा ने पकड़ा। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया।

नौजवान मुस्लिम कमेटी ने तिरंगा यात्रा निकाली

आष्टा, देशबन्धु। नौजवान मुस्लिम कमेटी और जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने शहर काजी की सदारत में हर साल की तरह इस साल भी स्वतंत्रता दिवस के मौके पर पैगाम-ए-इंसानियत तिरंगा यात्रा निकाली। रैली तिरंगा यात्रा अलीपुर चौराहा से प्रारंभ होकर पुरानी सब्जी मंडी बड़ा बाजार सिकंदर बाजार सुभाष चौक होती हुई सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया।

तिरंगा यात्रा आगे बढ़ती हुई तहसील चौराहा कॉलोनी चौराहा भाऊ बाबा मंदिर रोड गल चौराहा राम मंदिर बुधवारा रोड से होती हुई हॉस्पिटल चौराहा से पुराना बस स्टैंड अली चौक पर एक आम सभा का आयोजन हुआ। विधायक रघुनाथ मालवीय, मुफ्ती हमीद साहब मुफ्ती फहीम साहब हाफिज मुजफ्फर कुरैशी, जमीयत उलमा के जिलाध्यक्ष हाफिज शहरयार चांद मियां, मुफ्ती रज्जाक साहब, इमाम हनीफ साहब, मुबारिकउद्दीन सभी गणमान्य नागरिक वरिष्ठजन नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा, उपाध्यक्ष प्रतिनिधि भुरू खां, ब्लॉक अध्यक्ष जितेंद्र शोभाखेड़ी, जिला महिला अध्यक्ष गुलाब बाई ठाकुर, शहर कांग्रेस अध्यक्ष जाहिद गुड्डू, इदरीश मंसूरी सहित शहर के सभी नौजवान शामिल हुए।

मॉडर्न पब्लिक विद्यालय परिसर में लगाए पौधे

आष्टा, देशबन्धु। सेमनरी रोड स्थित मॉडर्न पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल में चंपा-चमेली चांदनी के विद्यालय परिवार द्वारा विद्यालय परिसर में लगाए पौधे। संस्था के मार्गदर्शक शंकर लाल परमार, भीम सिंह ठाकुर, कुंवर लाल परमार एवं संचालक अभिषेक परमार के मार्गदर्शन में विद्यालय प्रांगण में चंपा-चमेली चांदनी के पौधे विद्यालय परिसर में लगाए गए। पौधारोपण में मुख्य रूप से प्राचार्य अमित यादव, उपप्राचार्य विकास चौरसिया, बी.एल. मालवीय, रवि पाठक, तेजराज मेवाड़ा, संदीप जोशी, राजेश बड़ोदिया, रजत धारवा, अनीता परमार, निर्मला सारसिया, कविता ठाकुर, अंजलि चौरसिया, अंजु नावड़े, नीता सक्सेना, हेमलता पाटीदार, मौसमी बक्सी, स्वेतान्षु ठाकुर, इषा जैन, इतिका चौहान आदि शिक्षक शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी गण उपस्थित रहे।

लाड़ली बहना आवेदन की अंतिम तिथि आज, जिले में अभी तक 12075 का हुआ पंजीयन

गुना, देशबन्धु। लाड़ली बहना योजना के तहत अब 21 वर्ष की आयु पूरी कर चुकी महिलाओं को भी योजना से लाभान्वित किया जाएगा। इसके लिए नई हितग्राही महिलाओं का पंजीयन 25 जुलाई से ऑनलाइन जारी है। इस वर्ष एक जनवरी को 21 वर्ष की आयु पूरी कर चुकी तथा 60 वर्ष से कम आयु की विवाहित महिलाएँ आवेदन कर सकती हैं। आवेदन पत्र 20 अगस्त तक दर्ज किये जाएंगे। पात्र महिलाओं के आवेदन पत्र ग्राम पंचायतों में ग्राम पंचायत सचिव के माध्यम से दर्ज किए जा रहे हैं। नगरीय निकायों में प्रत्येक वार्ड कार्यालय में ऑनलाइन आवेदन पत्र भरे जा रहे हैं। आवेदन पत्र के साथ ई-केवाईसी ऑनलाइन दर्ज करना होगा। इस अवधि में ऐसी महिलाएँ भी आवेदन कर सकेंगी, जिनकी आयु एक जनवरी 23 को 23 वर्ष से अधिक तथा 60 वर्ष से कम है, किन्तु परिवार में ट्रैक्टर होने के कारण वे पूर्व में अपात्र हो गई थीं। परिवार में यदि चार पहिया वाहन के रूप में केवल ट्रैक्टर है, तो महिलाएं आवेदन कर सकेंगी। आवेदन पत्र के साथ महिलाओं को ट्रैक्टर के पंजीयन नम्बर का भी उल्लेख करना होगा। एक ट्रैक्टर को एक परिवार समग्र आईडी के लिए मान्य किया जाएगा। ऑनलाइन दर्ज आवेदन पत्रों की अनंतिम सूची 21 अगस्त को जारी की जाएगी। सूची के संबंध में 25 अगस्त तक दावे-आपत्तियाँ दर्ज कराई जा सकती हैं। दावे-आपत्तियों का 26 से 29 अगस्त तक निराकरण किया जाएगा। पात्र महिलाओं की अंतिम सूची 31 अगस्त को जारी की जाएगी तथा एक सितम्बर से तीन सितम्बर तक स्वीकृति पत्रों का वितरण किया जाएगा। नवीन हितग्राहियों को 10 सितम्बर को योजना की प्रथम किश्त का भुगतान किया जाएगा। परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास, मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी पात्र महिलाओं के आवेदन पत्र निर्धारित तिथि तक ऑनलाइन दर्ज कराएं। इनके बैंक खातों में आधार सीडिंग तथा डीबीटी की अनिवार्य रूप से सुविधा कराएँ, जिससे ऑनलाइन भुगतान किया जा सके। गुना जिले में अभी तक 12075 हितग्राहियों का पंजीयन किया गया है।

रात को हुई झमाझम बारिश, 50 फीसदी भी नहीं हुई बारिश

गुना, देशबन्धु। जिले में अभी बारिश का आंकड़ा 50 फीसदी को भी नहीं छू पाया है। इस बीच शुक्रवार-शनिवार की दरम्यानी रात शहरभर में झमाझम बारिश हुई। हालांकि शनिवार दोपहर को आसमान में बादल की लुकाछिपी चलती रही। बीच-बीच में हल्की बूंदाबादी का दौर भी जारी रहा। फिलहाल लंबी खेंच के जिलेभर में झमाझम बारिश का इंतजार है। इधर जिले में 01 जून से अब तक 488.1 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जो कि सामान्य वर्षा का 46.3 प्रतिशत है। जिले में गतवर्ष इसी अवधि में 944.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले की वर्षा ऋतु में सामान्य औसत वर्षा 1053.5 मिलीमीटर है। अधीक्षक भू-अभिलेख द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 01 जून से 19 अगस्त 2023 प्रात: 8 बजे तक तक जिले के वर्षामापी केन्द्र गुना में 645.7 मिलीमीटर, बमौरी में 606.4 आरोन में 418.0, राघौगढ़ में 280.0, चांचौड़ा में 536.0 तथा वर्षामापी केन्द्र कुम्भराज में 442.0 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

बैठक में बोले कलेक्टर ने की समीक्षा

आयुष्मान कार्ड बनाने लगेंगे विशेष शिविर

गुना, देशबन्धु। *कलेक्टर तरूण राठी की अध्यक्षता में जिला कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में आयुष्मान भारत (निरामयम) टास्क फोर्स समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सीएमएचओ डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर, सिविल सर्जन डॉ. एसओ भोला, ब्लॉक मेडिकल आफीसर, सीएसओ सहित स्वास्थ्य विभाग के स्टाफ उपस्थित रहे। बैठक के दौरान सीएमएचओ द्वारा बताया गया कि आयुष्मान भारत कार्यक्रम के अंतर्गत आगामी 4 माह में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाना है। जिसमें मुख्य रूप से आयुष्मान आपके द्वारा 3.0, आयुष्मान सभा, आयुष्मान मेला, आंगनबाडी एवं शासकीय शालाओं में बच्चों की स्क्रीनिंग, आयुष्मान ग्राम पंचायत एवं वार्ड पंचायतवार कार्यक्रम एवं सेवा पखवाड़ा आयोजित किए जाएंगे।*

आयुष्मान आपके द्वार अंतर्गत 1 सितंबर से विशेष अभियान : *आयुष्मान आपके द्वार अंतर्गत 1 सितंबर से 31 दिसम्बर तक विशेष अभियान का आयोजन किया जाएगा। जिसमें समस्त शेष पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे। अभी तक जिले में 08 लाख आयुष्मान कार्ड के लक्ष्य के विरूद्ध 7 लाख कार्ड बनाये गये हैं, जिसमें 06 लाख 46 हजार का अनुमोदन किया जा चुका है, शेष कार्य प्रगतिरत है। इसी प्रकार प्रथम चरण में 06 लाख 57 हजार पीव्हीसी कार्ड के लक्ष्य के विरूद्ध 04 लाख 55 हजार कार्ड का वितरण किया गया है, शेष कार्ड वितरण की कार्यवाही जारी है।*

आयुष्मान सभा का होगा आयोजन : *शासन निर्देशानुसार आयुष्मान कार्ड अंतर्गत एवं आभा आइडी के संबंध में जागरूकता लाने के उद्देश्य से आयुष्मान सभा का आयोजन किया जायेगा। जिसके तहत एसडब्लयूसी के माध्यम से एनसीटी स्क्रीन, सिकल सेल एनीमिया, टीकाकरण, टीबी के संबंध में जागरूकता बढ़ाने का कार्य किया जायेगा।*

आयुष्मान मेलों का होगा आयोजन : *आयुष्मान मेलों का मुख्य उद्देश्य जनसमुदाय का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाना है, जिसमें हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों पर स्वास्थ्य परीक्षण किया जायेगा। जैसे टीबी, हाइपरटेशन, मातृत्व जांच का इलाज एवं निःशुल्क दवा उपलब्ध कराना आदि। इसी क्रम में शिवपुरी मेडिकल कॉलेज के सहयोग से 20 सितंबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र म्याना में स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया जायेगा। 1 सितंबर से 17 सितंबर तक समस्त स्वास्थ्य संस्थाओं, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सिविल अस्पताल, जिला अस्पताल में स्वच्छता हेतु यह अभियान चलाया जायेगा।*

सभी पात्र हितग्राहियों के बने कार्ड-कलेक्टर : *कलेक्टर द्वारा आयुष्मान कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया गया कि आयुष्मान कार्ड के लक्ष्य के विरूद्ध प्रगति में एक लाख का अंतर है। इसके लिए आशा कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया जाये कि वह ग्रामवार लिस?ट बनायें। जिसमें ऐसे हितग्राही जो कई अन्यत्र पलायन कर गये हैं या मृत हो गये हैं या समग्र आईडी की जानकारी का मिलान न होने के कारण कार्ड से वंचित हैं, इसका विवरण सहित सूची तैयार की जावे। इस संबंध में शेष रहे आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए कलस्टर स्तर पर विशेष अभियान चलाया जावे। लंबित पीव्हीसी कार्ड का शत-प्रतिशत वितरण आशा कार्यकताओं के माध्यम से वितरण करावें।*

सभी पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाना सुनिश्चित करें। समीक्षा बैठक के दौरान पाया गया कि जिले में मात्र चार निजी अस्पताल ही आयुष्मान कार्ड का लाभ देने के लिए इम्पेनल्ड हैं। इस संबंध में सीएमएचओ को निर्देशित किया गया कि सभी निजी अस्पताल संचालकों की बैठक बुलायी जाये और उन्हें इम्पेनल्ड कराने के लिए प्रेरित किया जाये। बैठक के दौरान कलेक्टर द्वारा निर्देशित किया गया कि विद्यालयों में अध्ययनरत सभी बच्चों के नेत्र परीक्षण हेतु टीम गठित कर उनका नेत्र परीक्षण कराया जाये और आवश्यकतानुसार चश्मे वितरित कराये जायें। बैठक के दौरान सीएमएचओ को निर्देशित किया गया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं में लाभ लेने वाले हितग्राहियों का प्रचार-प्रसार कराया जाए।

भोपाल की हर गली और इलाके में डॉ. शर्मा के कार्यों का प्रतिबिंब : मुख्यमंत्री

पूर्व राष्ट्रपति की जयंती पर उनके योगदान को याद किया

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने आज भोपाल के रेत घाट चौराहे पर भारत के पूर्व राष्ट्रपति स्व. डॉ. शंकर दयाल शर्मा की जयंती पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया।

मुख्यमंत्री ने डॉ. शंकर दयाल शर्मा को याद करते हुए कहा कि डॉ. शर्मा मध्य प्रदेश का गौरव थे। भोपाल की हर गली में उनके कार्यों की झलक मिलती है। भोपाल का हर क्षेत्र उनके योगदान को प्रतिबिंबित करता है। डॉ. शर्मा ने केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रपति के रूप में जो कार्य किया, वह अद्भुत था। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेशवासियों की ओर से मैं डॉ. शंकर दयाल शर्मा जी को नमन करता हूँ। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर मासिक पत्रिका कृषि समाधान के डॉ शंकर दयाल शर्मा पर केंद्रित विशेषांक का विमोचन भी किया। डॉ. शर्मा की जयंती के अवसर पर महापौर श्रीमती मालती राय, पूर्व महापौर आलोक शर्मा सहित कई जन-प्रतिनिधि, डॉ. शर्मा के परिजन और नागरिक भी उपस्थित थे। सभी ने डॉ. शर्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और नमन किया। डॉ. शंकर दयाल शर्मा के योगदान का स्मरण किया गया।

पौध-रोपण: मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज रेत घाट चौराहे पर डॉ. शंकर दयाल शर्मा की प्रतिमा के निकट स्थित उद्यान में उनकी स्मृति में पौध-रोपण किया। पौध-रोपण में डॉ. शर्मा के परिजन और नागरिक शामिल हुए। स्व. डॉ. शर्मा के भाई श्री ईशदयाल शर्मा, भतीजे श्री अमित शर्मा, भतीजी सुश्री रितु शर्मा सहित श्री सुमित पाठक, श्री मनीष दयाल शर्मा, श्री दिनेश दयाल शर्मा, श्री संजय दयाल शर्मा, श्री ध्रुव सोनी, श्री अशोक वर्मा, श्री राजेन्द्र शर्मा, श्री राजा शर्मा, सुश्री रोशनी शर्मा भी पौध-रोपण में शामिल हुए। आज ओरियंटल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के विद्यार्थियों ने भी पौध-रोपण किया।

कांग्रेसजनों ने भी किया याद

भोपाल, देशबन्धु। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा को 105 वीं जयंती पर कांग्रेसजनों ने याद किया। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, पूर्व सांसद रामेश्वर नीखरा सहित अन्य कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. शंकर दयाल शर्मा के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इसके पहले कांग्रेस नेताओं ने वीआईपी रोड पर पहुंचकर डॉ. शर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर उनका पुण्य स्मरण किया। दोनों स्थानों पर आयोजित कार्यक्रम का संचालन प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता एवं कार्यक्रम समन्वयक आनंद तारण ने किया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारी चंद्रप्रभाष शेखर, राजीव सिंह, प्रकाश जैन, सुरेन्द्र सिंह ठाकुर, प्रताप भानु शर्मा, पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा, दीपचंद यादव, डॉ. महेन्द्र सिंह चौहान, गुरमीत सिंह मंगू, कैलाश मिश्रा, मोनू सक्सेना, राजकुमार सिंह, जहीर अहमद, अवनीश बुंदेला, ईशदयाल शर्मा, अनुभा आचार्य, नासिर इस्लाम, विक्की चौहान, राहुल राठौर, रामस्वरूप यादव, अब्दुल नासिर, अनीस खान गुड्डू, अखिलेश जैन, सुश्री ऋतु शर्मा, मनोज मिश्रा, महक राण, बबलू खान, बृजलाल साहू, सरीना आर्य, बद्री यादव, मुजफ्फर अली, अशोक शर्मा, राकेश कटनेरा, सुरेश साहू, अब्दुल मजीद सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे।

ग्रामीण स्वास्थ्य संस्थाओं में मिलीं खामियां

सीएमएचओ ने जारी किए नोटिस, वेतन भी कटेगा

भोपाल, देशबन्धु। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) ने शनिवार को जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित स्वास्थ्य संस्थाओं का औचक निरीक्षण किया गया । निरीक्षण में संस्थाओं के समय पर न खुलने एवं स्टाफ के अनुपस्थित मिलने पर कार्यवाही की गई।

सीएमएचओ ने शनिवार सुबह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रातीबड़, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र फंदा, हेल्थ एंड वैलनेस केंद्र मुगालिया छाप एवं खजूरी सड़क का निरीक्षण किया। निरीक्षण में संस्था के निर्धारित समय पर खुलने एवं स्टाफ की उपस्थिति की जांच की गई। इस दौरान महज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र फंदा में समस्त स्टाफ समय पर उपस्थित मिला , जबकि अन्य संस्थाओं दो चिकित्सक, दो सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी आयुष फार्मासिस्ट एवं टीबी कर्मी अनुपस्थित मिले। सीएमएचओ द्वारा इन कर्मचारियों के विरुद्ध कार्य के प्रति उदासीनता के लिए नोटिस जारी करने एवं वेतन कटौती के निर्देश दिए गए।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में गुणवत्ता पूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं हेल्थ एंड वैलनेस केंद्र संचालित किया जा रहे हैं । शासन द्वारा स्वास्थ्य संस्था का समय सुबह 9 बजे से निर्धारित किया गया है। संस्थाओं के समय पर न खुलने एवं स्टाफ की अनुपस्थिति से मरीजों को इलाज में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कई बार सामान्य बीमारियों के उपचार के लिए भी सिविल अस्पताल एवं जिला अस्पताल जाना पड़ता है। कर्तव्यों के प्रति लापरवाह कर्मचारियों के विरुद्ध वेतन कटौती सहित अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जा रही है।

इन पर हुई कार्रवाई

सीएमएचओ द्वारा आज जिन स्वास्थ्य कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की है, उनमें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रातीबड़ से चिकित्सा अधिकारी डॉ अर्चना जीवने, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रातीबड़ से आयुष चिकित्सा अधिकारी डॉ दीपिका जैन, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रातीबड़,टीबीएचवी आयुष फार्मासिस्ट राजेंद्र घोड़बी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रातीबड़ से सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी सुष्मिता चौरसिया, हेल्थ एंड वैलनेस केंद्र मुगालिया छाप से कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर डॉ.सोनल, हेल्थ एंड वैलनेस केंद्र खजूरी सड़क सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी कनिका बुंदेला शामिल हैं।

अग्निवीर भर्ती रैली आज से

भोपाल, देशबन्धु। सेना भर्ती कार्यालय द्वारा 20 से 26 अगस्त तक लाल परेड मैदान में प्रदेश के 9 जिलों भोपाल, बैतूल, छिंदवाडा, हरदा, नर्मदापुरम, रायसेन, राजगढ़, सीहोर और विदिशा के पुरुष उम्मीदवारों के लिए अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर तकनीकी, अग्निवीर क्लर्क, अग्निवीर स्टोर कीपर एवं अग्निवीर ट्रेड्समैन भर्ती रैली का आयोजन होगा। अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर तकनीकी, अग्निवीर क्लर्क, अग्निवीर स्टोर कीपर, अग्निवीर ट्रेड्समैन तथा 26 अगस्त को सिपाही फार्मा और सिपाही तकनीकी नर्सिंग सहायक एवं सिपाही तकनीकी नर्सिंग, सहायक पशु चिकित्सा की रैली का आयोजन 20 से 25 अगस्त तक होगा । मप्र और छत्तीसगढ़ के सभी जिलों के सिपाही फार्मा और सिपाही तकनीकी, नर्सिंग सहायक एवं सिपाही तकनीकी, नर्सिंग सहायक पशु चिकित्सा की भी सेना भर्ती रैली का आयोजन साथ में किया जा रहा है।

दुष्कर्म के मामले में जेल से छूटे बदमाश ने पीड़िता से की छेड़छाड़

समझौते के लिए बना रहा था दबाव

भोपाल, देशबन्धु। दुष्कर्म के मामले में जेल से छूटा बदमाश पीड़िता पर समझौता करने के लिए कई दिनों से दबाव बना रहा था। गत दिवस आरोपी ने युवती को रास्ते में रोककर उसके साथ अश्लील हरकत कर दी। साथ ही मामले में समझौता नहीं करने पर अंजाम भुगतने की धमकी भी दी। घटना के समय आरोपी का भाई भी उसके साथ था। शिकायत मिलने पर कमला नगर थाना पुलिस ने युवक और उसके भाई के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

कमला नगर थाना पुलिस के मुताबिक 20 वर्षीय युवती क्षेत्र में परिवार के साथ रहती है। कुछ माह पहले असलम नाम के युवक ने युवती के साथ दुष्कर्म किया था। पुलिस ने असलम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। जेल से जमानत मिलने के बाद से ही असलम उस मामले में समझौता करने के लिए युवती को परेशान करने लगा था। वह कुछ लोगों के माध्यम से युवती व उसके परिवार के लोगों पर अदालत में समझौता करने के लिए दबाव बना रहा था, लेकिन पीड़िता ने समझौते से साफ मना कर दिया था। इसके चलते असलम युवती को परेशान करने लगा था। गत दिवस युवती अपने घर के पास खड़ी थी, तभी असलम अपने भाई आसिफ के साथ वहां पहुंचा। दोनों भाइयों ने अश्लील बातें करते हुए पीड़िता से दुष्कर्म के मामले में में समझौता करने के लिए फिर दबाव डाला। युवती के मना करने पर वे लोग उसे जान से मारने की धमकी देकर चले गए। युवती ने घटना के बारे में परिवार के लोगों को बताया। इसके बाद थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज करा दी। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म

भोपाल, देशबन्धु। पति की मौत के बाद एक महिला का अपनी सहेली के माध्यम से मिले युवक से परिचय हो गया था। युवक ने महिला से शादी कर उसके बेटे को अपनाने का भरोसा देकर महिला का शारीरिक शोषण करना शुरू कर दिया था। लेकिन पिछले दिनों महिला ने शादी करने की बात की तो वह साफ मुकर गया और धमकाने लगा। महिला की शिकायत पर पिपलानी थाना पुलिस ने युवक के खिलाफ दुष्कर्म, जान से मारने की धमकी देने का प्रकरण दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपी फरार है।

पिपलानी थाना पुलिस के मुताबिक क्षेत्र में रहने वाली 30 वर्षीय महिला के पति की मौत हो चुकी है। एक निजी फर्म में काम करने वाली महिला अपने 10 वर्ष के बेटे के साथ रहती है। लगभग एक वर्ष पहले एक सहेली के माध्यम से महिला का परिचय जहांगीराबाद क्षेत्र में रहने वाले शाहवर नाम के युवक से हुआ था। पेशे से वाहन चालक शाहवर ने महिला की मजबूरी समझते हुए छोटे-मोटे काम में मदद करना शुरू कर दी। इससे उनके बीच में पहचान और बढ़ गई। इस बीच शाहवर ने महिला से शादी करने और उसके बेटे को भी अपनाने की बात कही। इससे महिला उस पर काफी भरोसा करने लगी। इसी बात का फायदा उठाते हुए विगत एक मई को शाहबर महिला के घर पहुंचा और उसे अकेला पाकर दुष्कर्म किया। उसके बाद शादी करने का भरोसा देकर वह महिला का शारीरिक शोषण करने लगा। पिछले दिनों महिला ने शाहवर से शादी करने के बारे में बात की तो वह साफ मुकर गया। साथ ही घटना के बारे में किसी को कुछ बताने पर जान से मारने की धमकी देने लगा। महिला की शिकायत पर पुलिस ने दुष्कर्म, धमकाने का प्रकरण दर्ज कर आरोपी शाहवर की तलाश शुरू कर दी है।

भारतीय पैरा कैनो टीम वर्ल्ड चैंपयिपशिप खेलने जर्मनी रवाना

भोपाल, देशबन्धु। पैरा कैनो वर्ल्ड चैंपयिनशपि जर्मनी के ड्युसबर्ग में 23 से 27 अगस्त तक आयोजित हो रही है। इसमें भाग लेने के लिए भारतीय टीम शनिवार को भोपाल से रवाना हो गई है।

भारतीय पैरा कयाकिंग एंव कैनाइंग के चेयरपर्सन और मुख्य कोच मयंक ठाकुर ने बताया कि भारतीय टीम सुबह भोपाल से दिल्ली रवाना हुई और वहां से जर्मनी की उड़ान भरेगी। उन्होंने बताया कि भारतीय टीम में अधिकांश खिलाड़ी मप्र से है। इस चैंपियनशिप के लिए भोपाल के छोटे तालाब पर पिछले लगभग दो माह से प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ था। इसमें भारत की 13 सदस्यीय टीम ने जोरदार अभ्यास किया। भारतीय टीम में पूजा ओझा, रजनी झा, प्राची यादव, संगीता राजपूत, शबाना, यश कुमार, गजेंद्र सिंह, जयदीप, संजीव कोटिया, मनीष कौरव, सुरेंद्र कुमार, जिथिन जार्ज व कपिल कुमार शामिल है। इनमें से मप्र की प्राची यादव व पूजा ओझा पर सबकी नजरें रहेंगी। श्री ठाकुर ने बताया कि वर्ल्ड पैरा कैनो चैंपियनशिप को पैरा ओलिंपिक में जाने का सबसे बड़ा अवसर माना जाता है। इसमें पदक जीतने वाले तीन वाले तीन खिलाड़ियों के अलावा टाप सिक्स में रहने वाले भी पैरा ओलिपिक में अपना स्थान पक्का कर लेते है। इसलिए दुनिया भर के शीर्ष कयाक इसमें अपना कौशल दिखाने आते है। ऐसे में इस चैंपियनशिप को बहुत ही कठिन स्पर्धा माना जाता है।

जैन मंदिर की दानपेटी तोड़कर 60 हजार चोरी

भोपाल, देशबन्धु। कोलार थाना पुलिस के मुताबिक संजय जैन प्रियंका नगर स्थित जैन मंदिर के प्रबंधक हैं। संजय जैन ने शिकायत में पुलिस को बताया कि वह शुक्रवार रात आठ बजे मंदिर में ताला लगाकर घर चले गए थे। शनिवार सुबह मंदिर पहुंचे तो मुख्य द्वार का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर रखी दानपेटी का भी ताला टूटा था। उसमें रखी दान की नकद लगभग 60 हजार रुपये से अधिक की राशि गायब थी। पुलिस चोरी का केस दर्ज कर घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी के फुटेज खंगाल रही है।

स्कूली छात्र ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

भोपाल, देशबन्धु। छोला मंदिर थाना क्षेत्र में बीती रात एक स्कूली छात्र ने अपने कमरे में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना के समय परिजन उसकी बीमार रिश्ते की बहन को देखने अस्पताल गए हुए थे। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

छोला मंदिर थाना पुलिस ने बताया कि बिहारी कॉलोनी के सामने पटेल मार्केट छोला निवासी मोहम्मद दानिश खां पुत्र स्व. मोहम्मद रईस खां उम्र 20 वर्ष कक्षा बारहवीं का छात्र था। उसके माता-पिता की मौत के बाद वह अपने मामा मोहम्मद इरशाद के साथ रहकर पढ़ाई कर रहा था। शुक्रवार शाम को मामा-मामी हमीदिया अस्पताल में भर्ती अपने एक रिश्तेदार को देखने गए थे। इस दौरान दानिश ने अपने कमरे में पंखे से रस्सी का फंदा बांधकर फांसी लगा ली। मामा-मामी रात को जब घर वापस पहुंचे तो उसका शव देखा। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए पहुंचाया। पुलिस को घटना स्थल से कोई पत्र नहीं मिला है। इसके साथ ही उसके मोबाइल की जांच में भी कुछ नहीं मिला है। इससे आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। शनिवार दोपहर को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

मृतक के मामा मोहम्मद इरशाद ने बताया कि भांजा दानिश पढ़ाई के साथ ही घर के करीब एक किराना दुकान का संचालन करता था। बहन करीब 20 साल पहले पति से अलग हो चुकी थी। वह अपने दोनों बेटों के साथ हमारे पास ही रहा करती थी। कैंसर की बीमारी के चलते कुछ साल पहले उनका निधन हो गया। इसके बाद से ही उसके दोनों बेटों का पालन-पोषण हमने किया। उन्हें अपनी औलाद की तरह पाला। खुदकुशी के पूर्व दानिश ने कभी किसी परेशानी का जिक्र नहीं किया। कुछ समय पहले ही उसे मोटर साइकिल दिलाई थी। उसने यह कदम क्यों उठाया इस बात की जानकारी नहीं है। मैं और मेरी पत्नी हमीदिया अस्पताल में भर्ती भांजी को देखने के बाद जब घर पहुंचे तो उसका शव देखा और पुलिस को सूचना दी।

कुएं में मिला लापता मासूम का शव

भोपाल, देशबन्धु। बैरसिया थाना क्षेत्र के ग्राम कढ़ैया शाह से गुरुवार को लापता हुई मासूम का शव पुलिस ने एक कुएं से बरामद किया है। इस मामले में पुलिस मर्ग कायम कर हादसे की जांच में जुटी है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सात वर्षीय रत्ना कुशवाहा पिता भूरा कुशवाहा ग्राम कढ़ैया शाह में रहती थी। गुरुवार दोपहर बच्ची रोजाना की तरह घर से खेलने का बोलकर निकली थी। शाम तक रत्ना के घर वापस न आने पर परिजनों ने घर के नजदीक उसकी तलाश की। कुछ समय तलाशने के बाद जब मासूम का पता न चला तो घर वालों ने बच्ची की गुमशुदगी की रिपोर्ट थाने में दर्ज करायी। शुक्रवार रात को खोजबीन के दौरान बच्ची का शव भूरा के ही खेत में बने कुएं में तैरता देखा गया। ग्रामीणों ने शव को बाहर निकाला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए पहुंचाया और शनिवार को शव का बैरसिया स्थित सिविल हॉस्पिटल में पोस्टमॉर्टम कराने के बाद परिजनों के हवाले कर दिया। उपनिरीक्षक साहब सिंह ने बताया कि परिजनों ने किसी पर आरोप नहीं लगाए हैं। ऐसे में अनुमान है कि खेलते समय बच्ची कुएं में गिरी होगी। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और जांच के बाद ही साफ हो सकेगा कि हादसे कैसे हुआ।

ढोल, मृदंग और बांसुरी के साथ संगीत के लय पर थिरके कलाकार

भोपाल, देशबन्धु। राजधानी के नेहरु नगर क्षेत्र के गीतांजलि चौराहे पर शनिवार को सैकड़ों की संख्या में जनजातीय कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे है। मौका था गीतांजलि चौराहे से डिपो चौराहे तक जनजातीय और लोक कलाकारों की कला यात्रा का, जो कि जनजातीय संग्रहालय में चल रहे निनाद समारोह के दूसरे दिन प्रस्तुति देने के लिए आए हुए थे। इस समारोह में मप्र, गुजरात, कश्मीर, तेलंगाना, उड़ीसा, छग, उप्र, झारखंड, आंध्रप्रदेश और महाराष्ट्र राज्यों के जनजातीय एवं लोक नृत्यों की प्रस्तुतियां संयोजित की जा रही है।

समारोह के दूसरे दिन तेलंगाना से आए कलाकारों ने गुसाड़ी नृत्य की प्रस्तुति दी। इस नृत्य गुसाडी गोंड जनजातीय द्वारा किया जाता है। इसमें कलाकारों द्वारा मनाए जाने वाले उत्सवों में संस्कृति की झलक देखने को मिली। इस नृत्य को करते समय मोर के पंखों से बनी पगड़ी पहनी जाती है, जिसे दशहरे के बाद आरंभ किया जाता है जो कि दीपावली तक नृत्य किया जाता है। इसके बाद आंध्रप्रदेश के कलाकारों ने कोलाट्टम नृत्य की प्रस्तुति दी। यह नृत्य महिलाएं देवी को श्रद्धांजलि देने के लिए करती है। नर्तक नृत्य की लय बनाए रखने के लिए डंडों को उपयोग करते हैं। नृत्य में दल प्रमुख गीत की पहली पंक्ति गाता है और फिर समूह के साथी उसी पंक्तियों को गाना शुरू करते हैं। गोल घेरे में नर्तक आगे-पीछे नृत्य करते हैं और संगीत की लय के साथ थिरकते हैं। मप्र सागर से आए कलाकारों ने सैरा नृत्य की प्रस्तुति से उपस्थित दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस नृत्य में ढोलक, टिमकी, मंजीरा, मृदंग और बांसुरी का इस्तेमाल किया जाता है। नृत्य के दौरान गोल घूमते हुए पुरुष हाथों में डंडा लेकर नृत्य करते हैं। उत्तर प्रदेश से आए कलाकारों ने पाई डण्डा नृत्य नृत्य की प्रस्तुति दी। इस नृत्य का उद्गम भगवान कृष्ण द्वारा ग्वालों के साथ खेली गई उस बालक्रीडा से जुड़ा है, जब वे गायों को चराने जाते थे और छोटी-छोटी डंडियों से उनके साथ खेल किया करते थे। इसी खेल ने आगे चलकर पाई डंडा नृत्य का रूप धारण किया। अहीर समुदाय का यह नृत्य बुन्देलखण्ड अंचल के महोबा एवं हमीरपुर आदि जनपदों में प्रचलित है।

मप्र कांग्रेस विधि एवं मानव अधिकार विभाग के विधिक विमर्श में बोले कमलनाथ

समाज में साम्य स्थापित करना कानून का उद्देश्य

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि अधिवक्ता समाजसेवी होता है, उनका समाज में सम्मान होना चाहिए। प्रदेश सबसे बड़े अधिवक्ता सम्मेलन में इतनी बड़ी संख्या में अधिवक्ता आए। इससे मुझे बल और शक्ति मिली है। समाज में साम्य स्थापित करना कानून का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि अधिवक्ता कांग्रेस पार्टी की मजबूती के लिए एकजुट हुए हैं वह जनता के बीच जाकर प्रदेश की भाजपा सरकार की भ्रष्टाचार, जनविरोधी नीतियों और जनता पर हो रहे अत्याचारों को कानूनी स्तर पर सामने लाएंगे। वह बीएसएस कॉलेज में मप्र कांग्रेस विधि एवं मानव अधिकार विभाग द्वारा आयोजित विधिक-विमर्श कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। कमलनाथ ने कहा कि अबकी बार भ्रष्टाचार की व्यवस्था से हमारा मुकाबला होगा। जहां देखों वहां भ्रष्टाचार, घोटालों की लंबी फेहरिस्त है। श्री कमलनाथ ने कहा कि कांग्रेस सरकार बनने पर अधिवक्ताओं की मांगों पर ध्यान रखकर उनके साथ न्याय किया जाएगा।

मप्र कांग्रेस विधि एवं मानव अधिकार विभाग के अध्यक्ष शशांक शेखर ने मांग करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार आने पर एडवोकेट वेलफेयर एंड प्रोटेक्शन एक्ट लाया जाए, वृद्धावस्था पेंशन की व्यवस्था की जाए, सहयोग राशि बार काउंसिल और एसोसिएशन को दें, नए वकीलों को कम से कम 3 साल तक स्टायपेंड मिले। वकीलों और उनके परिवार के स्वास्थ्य की चिंता करें। वकीलों के कोर्ट परिसर के चैम्बर और कमरों के बिजली बिल का खर्च सरकार उठाए। नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह ने कहा, मैंने पहली बार इतना बड़ा अधिवक्ता सम्मेलन नहीं देखा, जिसमें वकीलों ने अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया है, आज संविधान पर हमला हो रहा है, उसकी आपको रक्षा करनी है। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, कांतिलाल भूरिया, पूर्व सांसद रामेश्वर नीखरा, पूर्व मंत्री एन.पी. प्रजापति, तरूण भानोट ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा, विधायक आरिफ मसूद, जबलपुर के महापौर जगत बहादुर अन्नू भैया, विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा, प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष राजीव सिंह, सैयद साजिद अली, जे.पी. धनोपिया, अजय गुप्ता, अन्नी भैया सहित प्रदेश भर के अधिवक्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

पूर्ण बहुमत से बनेगी सरकार : दिग्विजय

पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने कहा कि 2018 में विवेक तन्खा ने कांग्रेस के समर्थन में हजारों वकील खड़े किए। तब हमने सरकार बनाई थी। एक बार फिर सबसे ज्यादा वकील जुड़े हैं, उम्मीद हैं कि हम पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएंगे।

वकीलों को मिले चुनाव में प्राथमिकता : तन्खा

सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा ने कहा कि वकालत अब सबसे पसंदीदा पेशा हो गया है, युवा इस पेशे में आ रहा है, प्रदेश में 1 लाख 35 वकील हैं। ये वकील किसी भी पार्टी के लिए भाग्यविधाता हैं, कमलनाथ जी, दिग्विजय जी आप वकीलों को चुनाव में प्राथमिकता दीजिए। हमारी 5 मुख्य मांगें हैं। सरकार बनने पर इन्हें पूरा कीजिए।

साहित्य

साक्षात्कार

कला किसी की बपौती नहीं है

छायाकार राजकिशन नैन से अशोक बैरागी की बातचीत

एक जमाने में 'धर्मयुग', 'सारिका', 'साप्ताहिक हिंदुस्तान', 'कादम्बिनी', 'रविवार' और 'मनोरमा' जैसी सुविख्यात पत्रिकाओं में राजकिशन नैन के सचित्र लेख और फोटो फीचर वर्षों तक निरंतर प्रकाशित हुए हैं। गाँव की भाषा, संस्कृति, रहन-सहन और कृषि संस्कृति की जड़े इनके भीतर में बहुत गहरे तक समाई हुई हैं। गाँव की नैसर्गिक संपदा से ओतप्रोत इनके अधिकांश चित्र लोग-बाग, पशु-पखेरू, बाग-बगीचों, खेत-खलिहान और पर्व-त्यौहार से जुड़े हैं। इनके खूबसूरत चित्र देखकर हर कोई आह्लाद से भर उठता है। प्रस्तुत है, उनकी फोटोग्राफी कला पर हुई बातचीत के संपादित अंश।

■ अशोक बैरागी

■ **अशोक बैरागी- गाँव-देहात और उसकी संस्कृति से जुड़े अनगिनत चित्र आपने खींचे हैं। एक सुन्दर चित्र को आप कैसे परिभाषित करेंगे?**

राजकिशन नैन - प्रकृति की गोद में बसे गँवई-गाँव के मनभावन सौंदर्य में जो अपूर्व कशिश है, उसे लाख चाहकर भी कैमरे की परिधि में नहीं लाया जा सकता। गँवई चित्रों में जो अनुपम लयात्मकता है, उसे शब्दों में नहीं बाँधा जा सकता। पर चूँकि बचपन से ही गाँव मेरे उपास्य रहे हैं, इसलिए मेरे चित्र वहीं की आँचलिक गरिमा को दर्शाते हैं। सुंदर चित्र को हमारे जीवन की तरह विराट और जीवंत होना चाहिए।

■ **अशोक बैरागी - आप गाँव से होकर भी कला के इस मुकाम तक कैसे पहुँचे?**

राजकिशन नैन - कला किसी की बपौती नहीं है। अपनी मेहनत और अभ्यास के बूते पर गाँव या शहर का कोई भी व्यक्ति कला के काम में पारंगत हो सकता है। छायांकन कला के प्रति गहन अभिरुचि, घुमक्कड़ी का चाव और देहाती दुनिया का अद्भुत, अनखुला और अनचीह्ना आकर्षण मुझे यहाँ तक खींच लाया है।

■ **अशोक बैरागी - गाँव में शुरू-शुरू में आपने किन विषय के चित्रों पर हाथ आजमाया?**

नैन साहब - जहाँ तक मुझे याद पड़ता है कि अपना पहला चित्र मैंने गाँव की एक पनिहारी का खींचा था, जो हमारे गाँव के बूढ़े कुएँ के पारछे में खड़ी हुई डोल से पानी खींच रही थी। तदुपरांत मैंने एक ग्वाले का चित्र खींचा था, जो गाय का दूध दुहने के बाद बछड़े को उसकी माँ के थन चुँघा रहा था। उन्हीं दिनों मैंने हमारे गाँव के रौळी सरोवर में भैंस की पूँछ पकड़कर तैरते हुए कुछ बच्चों के चित्र भी खींचे थे।

■ **अशोक बैरागी - आपने जीवन में पहली बार कैमरा कब पकड़ा? वह कौन-सा कैमरा था?**

नैन साहब - सन् 1971 के जून माह में मैंने कैमरा पकड़ा। तब मैंने शिमला स्थित तारादेवी नामक जगह को बेस बनाकर पहाड़ी परिवेश के चित्र खींचे थे। कैमरा क्लिकथर्ड था

■ **अशोक बैरागी - सुंदर चित्र खींचने के लिए किस तरह के कौशल की जरूरत पड़ती है?**

नैन साहब - सच बात तो यह है कि अच्छे चित्र के लिए प्रकाश और छाया के अंतर को समझने और उनके अनुरूप खास अवसरों को पकड़ने का सतत अभ्यास करना पड़ता है। विद्या और हुनर की तरह फोटोकारी की कला भी संयोग, लगन और धैर्य से हमारे जेहन में आती है। जबकि जल्दबाजी से बना बनाया काम बिगड़ता है।

■ **अशोक बैरागी - आपने छायांकन के लिए गाँव को ही क्यों चुना? जबकि चित्रों से जुड़ी बहुत सारी बढ़िया चीजें तो नगरों और शहरों में भी खूब मिलती हैं?**

नैन साहब - मैं बड़भागी हूँ कि मेरे जैसे गँवई व्यक्ति को सर्वोच्च सत्ता ने देहाती दुनिया की फोटोग्राफी के लिए चुना। जहाँ तक तुम्हारे सवाल की बात है, आँखें खोलने के बाद मैं गाँव की बेपनाह खूबसूरती, पुरखों के पारंपरिक और श्रमसिक्त संस्कारों की वजह से जिंदा हूँ। ग्रामधरा की सोहन संस्कृति के सुंदर चित्र उतारने की लालसा मुझमें बचपन से ही है। गाँव को बिसारकर मैं एक क्षण के लिए भी जीवित नहीं रह सकता।

■ **अशोक बैरागी - आपका खींचा हुआ पहला फोटो किस पत्रिका में छपा था और वह किसका चित्र था?**

नैन साहब - मेरा पहला फोटो दो वृद्धों का चित्र था, जो 'जूम फोटो% नामक अंग्रेजी पत्रिका में 15 जून, सन् 1981 में छपा था। इस पत्रिका का संपादन अपने जमाने की मशहूर शख्सियत सादिया देहलवी करती थी।

■ **अशोक बैरागी - आजकल डिजिटल और मिरर लैस कैमरों का बोलबाला है। बाजार में उनके आने से फोटोग्राफी की विधा में क्या बदलाव आए हैं?**

नैन साहब - डिजिटल कैमरों के आने से तकनीक के बदलाव में जमीन-आसमान का अंतर आ गया है। वक्त के साथ कैमरे बदलते रहे हैं। सबसे पहले इंग्लैंड से कैमरे आए। इसके बाद कैमरे जर्मनी, फ्रांस और अमेरिका से आयातित होने लगे। इस तरह एक के बाद एक बदलाव होते रहे। नयी तकनीक और नए कैमरे फोटोग्राफी की विधा के लिए बेहद अनुकूल और उपयोगी हैं। इस विधि से फोटो का जटिल काम बहुत सहज और सुगम हो गया है। इस विज्ञान के आने से एक सेकंड के हजारवें हिस्से में फोटों खींचकर दुनिया के एक छोर से दूसरे छोर तक पहुँचायी जा सकती है। हमारे रोजमर्रा के कार्यों में इस प्रविधि का जो प्रसार हुआ है, वह स्वागत योग्य है।

■ **अशोक बैरागी - आपने तस्वीरें खींचते समय किस तरह के जोखिम उठाए हैं?**

नैन साहब - देखिए, सुंदर चित्रों के लालच में मुझे कई बार मौत तक के जोखिम उठाने पड़े हैं। फोटोग्राफी मेरी अस्मिता और मेरे अस्तित्व की सबसे बड़ी पूँजी है। सुंदर चित्रों की चाह में मुझे कदम-कदम पर विपरीत परिस्थितियों से जूझना पड़ता है। डीग (भरतपुर) राजस्थान के किले की फोटोग्राफी करते हुए मैं साठ फुट गहरे कुएँ में जा गिरा था। एक बार फूलों की घाटी की ओर जाते हुए एक ग्लेशियर से फिसलकर मैं अलकनंदा नदी में डूबते-डूबते बचा था। सांपों, बिच्छुओं, कानखजूरों, कछुओं, मधुमक्खियों, भिरड़ों और तत्तियों आदि से भी मेरा सामना होता रहता है। बाहरी प्रदेशों में काम करते समय कई ऐसे डरावने हादसों से गुजरना पड़ा है, जिन्हें याद करके आज भी शरीर में सिहरन दौड़ जाती है। मेरी दिली इच्छा है कि इस संसार से जाते समय मेरे हाथ में कैमरा हो तथा घर से दूर कहीं चित्र खींचते हुए मौत एकाएक मुझे अपने आगोश में ले ले।

■ **अशोक बैरागी - कला का काम करने की एवज में जो सम्मान-पुरस्कार वगैरह मिलते हैं, उनके बारे में आपकी क्या राय है?**

नैन साहब - किसी भी सम्मान की बनिस्पत मेरे काम की अहमियत ज्यादा है। पुरस्कारों की अपनी राजनीति है। मूल्यहीन राजनीति के इस दौर में सच्चे कलाकार को अपने काम की एवज में सम्मान की इच्छा रखना बेमानी है। कलाकारों से सम्मान के लिए फार्म भरवाने जैसी कागजी औपचारिकताएँ पूरी करवाना उनका और उनकी कला का गला घोटने के समान है। मेरा मानना है कि कला से जुड़े खास लोगों के काम को भावी पीढ़ियों के लिए संग्रहित, संरक्षित और प्रदर्शित करके भी उनका कद बढ़ाया जा सकता है।

■ **अशोक बैरागी - आजकल अखबारों और पत्रिकाओं में कलात्मक चित्रों के लिए कितनी गुंजाइश है?**

नैन साहब - पहले तमाम अखबारों में चित्रों के लिए भरपूर जगह रहती थी लेकिन अब अखबारों में वैसे चित्र नहीं छपते। चित्रों को अधिकाधिक स्थान देने वाली तमाम पत्रिकाएँ कभी की बंद हो गई। मोबाइल में कैमरे आने के बाद कला छायांकन का काम संकट में पड़ गया है। मोबाइल फोटोग्राफी के अनियंत्रित विस्तार ने उत्कृष्ट एवं कलात्मक छायांकन को एक बारगी ही हाशिये पर धकेल दिया है। अब कला मिशन न होकर व्यवसाय बन गई है किंतु मेरी दृष्टि में कला व्यवसाय की वस्तु नहीं है। दरअसल यह हमारी सांस्कृतिक आवश्यकताओं और आत्मिक सुख के लिए है।

एकांकी

पनीर लेते आना

■ डॉ. रीना सिंह

पति- हेलो।
पत्नि- हेलो, हां बोलो।
पति- कहां हो ?
पत्नि- कहां रहूंगी इस वक्त, घर पर ही हूं। बोलो क्यों फोन किया?
पति- श्यामनाथ फूफा का फोन आया था।
पत्नि- कौन श्यामनाथ फूफा?
पति- वहीं जिनका बेटा अमेरिका में इंजीनियर है।
पत्नि- हां तो क्या बोले?
पति- बोले किसी काम से मुंबई आ रहे हैं। हमारे यहां तीन-चार दिन रुकेंगे।
पत्नि- क्या? हेलो, हेलो, हेलो..
पति- हेलो, हां आवाज नहीं आ रही क्या?
पत्नि- हेलो, हेलो, हेलो..
पति- मुझे आ रही है तुम्हारी आवाज। फूफा आ रहे हैं सुनाई दिया। उनका खाना बना देना।
पत्नि- हेलो, हेलो।(फोन कट)
पति- अरे कट हो गया! फिर लगाता हूं।
पति- हेलो, हेलो, हेलो
पत्नि- हेलो, हेलो।(फोन कट)
(शाम को सात बजे पति फूफा के साथ लिफ्ट में आते हुए)
पति- ट्रेन लेट हो गई थी?
फूफा- हां एक स्टेशन पर डेढ़ घंटा रुक गई।
पति- कोई बात नहीं। आप आराम से यहां रुकिए। अच्छा लगता है। नहीं तो कितने सालों
तक मुलाकात ही नहीं होती।
फूफा- हां आजकल सभी की व्यस्तताएं बढ़ गई हैं।
(पति दरवाजे की घंटी बजाता है। 16 वर्षीय लड़का सोहम दरवाजा खोलता है।)
पति- फूफा जी के पैर छुओ।
सोहम- प्रणाम फूफा जी।
फूफा- खुश रहो।
पति- मां कहां है?
सोहम- उनकी तबीयत ठीक नहीं है। सोई हैं।
पति- फूफा जी आप बैठिए मैं देखता हूं।
फूफा- बेटा रहने दो, बहू को आराम करने दो।
(पति बेडरूम से वापस लौटता है।)
पति- सोहम बाजार से खाना मंगा देना, पर्स में पैसे हैं ले लेना।
सोहम- जी पापा।
(दूसरे दिन सुबह आठ बजे)
फूफा- बेटा मैं निकलता हूं। आज ही अचानक से बुला लिया है मैनेजर ने। उनसे मिलकर आ
जाऊंगा।
पति- ठीक है फूफा, मैं इंतजार करूंगा, प्रणाम।
(श्यामनाथ लौटकर नहीं आते। दो हफ्ते बादः.)
पति- हेलो।
पत्नि- हेलो, बोलो।
पति- कहां हो?
पत्नि- कहां रहूंगी इस वक्त, घर पर ही हूं ।
पति- तुम्हारे दिल्ली वाले भैया का फोन आया था, आज शाम को आ रहे हैं।
पत्नि- सच! सुनो थोड़ा जल्दी आ जाना और आते समय एक किलो काजू कतरी और आधा
किलो पनीर लेते आना।

ग़ज़ल

मैं ख्याल हूँ किसी और का मुझे सोचता कोई और है

■ सलीम कौसर

मैं ख़याल हूँ किसी और का मुझे सोचता कोई और है
सर-ए-आईना मिरा अक्स है पस-ए-आईना कोई और है
मैं किसी के दस्त-ए-तलब में हूँ तो किसी के हर्फ़-ए-दुआ में हूँ
मैं नसीब हूँ किसी और का मुझे माँगता कोई और है
अजब एतिबार ओ बे-एतिबारी के दरमियान है ज़िंदगी
मैं क़रीब हूँ किसी और के मुझे जानता कोई और है
मिरी रौशनी तिरे ख़द्-ओ-ख़ाल से मुख़्तलिफ़ तो नहीं मगर
तू क़रीब आ तुझे देख लूँ तू वही है या कोई और है
तुझे दुश्मनों की ख़बर न थी मुझे दोस्तों का पता नहीं
तिरी दास्ताँ कोई और थी मिरा वाक़िआ कोई और है
वही मुंसिफ़ों की रिवायतें वही फ़ैसलों की इबारतें
मिरा जुर्म तो कोई और था प मिरी सज़ा कोई और है
कभी लौट आएँ तो पूछना नहीं देखना उन्हें ग़ौर से
जिन्हें रास्ते में ख़बर हुई कि ये रास्ता कोई और है
जो मिरी रियाज़त-ए-नीम-शब को 'सलीम' सुब्ह न मिल सकी
तो फिर इस के मअनी तो ये हुए कि यहाँ ख़ुदा कोई और है

संदर्भ : 21 अगस्त, अफ़साना निगार इस्मत चुग़ताई का जन्मदिवस

एक आज़ाद ख्याल अफ़साना निगार

■ ज़ाहिद ख़ान

सूचे भारतीय उपमहाद्वीप में इस्मत चुग़ताई का नाम किसी तआरुफ़ का मोहताज नहीं। वे जितनी हिंदोस्तान में मशहूर हैं, उतनी ही पाकिस्तान और बांग्लादेश में भी। उनके चाहने वाले यहां भी हैं और वहां भी। आज भी उर्दू और हिंदी दोनों ही ज़बानों में उनके पाए की कोई दूसरी कथाकार नहीं मिलती। इस्मत चुग़ताई ने उस दौर में स्त्री-पुरुष समानता और इन दोनों के बीच ग़ैर बराबरी पर बात की, जब इन सब बातों पर सोचना और लिखना भी मुश्किल था। अपने ही घर में मज़हब, मर्यादा, झूठी इज़्ज़त के नाम पर ग़ुलाम बना ली गई, औरत की आज़ादी पर उन्होंने सख़ूती से क़लम चलाई। उन्होंने उन मसलों पर भी क़लम चलाई, जिन्हें दीगर साहित्यकार छूने से भी डरते और कतराते थे। इस्मत चुग़ताई के लेखन में धर्मनिरपेक्षता और आधुनिकता का हमेशा ज़ोर रहा। अंधविश्वास, धार्मिक कट्टरता, साम्प्रदायिकता, सामंती प्रवृतियों, वर्गभेद और जातिभेद का उन्होंने ज़मकर विरोध किया।

इस्मत चुग़ताई का दौर, वह ज़माना था जब उर्दू अदब में सआदत हसन मंटो, कृश्न चंदर, राजिंदर सिंह बेदी, ख़्वाजा अहमद अब्बास जैसे चमकदार लेखक अपनी लेखनी से हंगामा बरपाए हुए थे। इन सबके बीच अपनी जगह बनाना कोई आसान काम नहीं था, लेकिन इस्मत चुग़ताई ने न सिर्फ़ इस चुनौती को स्वीकार किया, बल्कि अपनी एक अलग पहचान भी बनाई। उनकी सोच अपने समय से काफ़ी आगे थी। लिहाफ़' वह कहानी है, जिसने इस्मत चुग़ताई को एक साथ शोहरत दी, तो बदनामी भी। महिलाओं के बीच समलैंगिकता के बोल्ड मुद्दे पर लिखी गई यह हंगामेदार कहानी, उस दौर की मशहूर पत्रिका 'अदबे लतीफ़' में शाया हुई। उसी वक़्त इस्मत चुग़ताई का एक अफ़साने का मजमूआ आ रहा था, तो यह कहानी किताब में भी छप गई। परंपरावादी मुस्लिम समाज इस कहानी को पढ़कर भड़क उठा। कुछ आलोचकों और शुरफ़ा (शरीफ़ों) ने बरतानिया हुकूमत का तवज्जोह इस कहानी की तरफ़ कराया और सरकार से मांग की, ''कहानी नैतिकता के ख़िलाफ़ है, लिहाज़ा सरकार इस कहानी को ज़ब्त कर ले।'' बहरहाल, कहानी के ख़िलाफ़ अख़बारों—मैगज़ीनों में मज़मून निकले और अदबी और ग़ैर अदबी महफ़िलों में इस पर गर्मा—गर्म बहसें होतीं। इस अफ़साने की मुख़ालफ़त में पत्रिका के एडिटर और ख़ुद उनके पास इतने ख़त आए कि एक वक़्त, तो वे और उनके पति शाहिद लतीफ़ परेशान हो गए।

फ़हाशी (अश्लीलता) के इल्ज़ाम में मंटो और इस्मत चुग़ताई दोनों पर अदालत में मुक़दमे चले। यहां तक कि उन दोनों की गिरफ़्तारी भी हुई। लाहौर की अदालत में जब इनके मामले की सुनवाई होती थी, तो इन दोनों को देखने के लिए कॉलेजों के तालिब—ए-इल्म टोलियां बांध-बांधकर आते थे। बहरहाल यह मुक़दमा, अदालत में नहीं टिक सका। मंटो और इस्मत चुग़ताई इस मुक़दमे से बाइज़्ज़त बरी हो गए। कहानी 'लिहाफ़' के बारे में ख़ुद इस्मत चुग़ताई क्या सोचती थीं, पाठकों के लिए यह जानना भी बड़ा दिलचस्प होगा। जब इस कहानी के बारे में उर्दू के एक अदीब एम. असलम, जो कई किताबों के लेखक थे, से उनकी बहस हुई, तो चुग़ताई ने उन्हें यह कहकर लाजवाब कर दिया,''मुझे कभी किसी ने नहीं बताया कि 'लिहाफ़' वाले मौज़ू पर लिखना गुनाह है। न मैंने किसी किताब में पढ़ा कि इस मर्ज़ या लत के बारे में नहीं लिखना चाहिए। शायद मेरा दिमाग़ अब्दुर्रहमान चुगताई का ब्रश नहीं, एक सस्ता सा कैमरा है, जो कुछ देखता है, खट से बटन दब जाता है और मेरा क़लम मेरे हाथ में बेबस होता है। मेरा दिमाग़ उसे बरगला देता है। दिमाग़ और क़लम के क़िस्से में दख़लअंदाज़ नहीं हो पाती।'' (इस्मत चुग़ताई-किताब कागज़ी है पैरहन, पेज-32-33)

कहानी 'लिहाफ़' के बाद इस्मत चुग़ताई ने फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। पत्रिकाओं में उनकी कहानियों की मांग बढ़ने लगी। पाठक उनकी कहानियों का इंतज़ार करते। जब-जब भी उनकी कहानियों पर एतराज़ उठते, कहानियों की मांग और भी बढ़ जाती। 'लिहाफ़' के प्रकाशन के बाद उनके आलोचकों ने तो उन्हें फ़ुहश—निगार (अश्लील लेखक) का तमग़ा दे दिया। उनके बारे में यह बातें फैलाई जाती कि वे जिंसियात पर ही लिखतीं हैं। लेकिन इस्मत चुग़ताई ने इन आलोचना की बिल्कुल परवाह न की। उन्होंने वही लिखा, जो अपने समाज में देखा। सच को सच और ग़लत को ग़लत कहने की हिम्मत इस्मत चुगताई के अंदर थी। वे यर्थाथवादी थीं।

कहानी 'चौथी का जोड़ा' और 'मुग़ल बच्चा' उनकी बेमिसाल कहानियां हैं। इस्मत चुग़ताई, औरतों को हर तरह की आज़ादी के हक़ में थीं। औरतों पर समाजी, मज़हबी बंदिशों की उन्होंने हमेशा मुख़ालफ़त की। इस्मत चुगताई ने अपनी कहानियों में औरत की आर्थिक गुलामी और मजबूरी पर हमेशा क़लम चलाई। उनका सोचना था,''एक लड़की अगर अपने वारिसों का सिर्फ़ इसलिए हुक्म मानती है कि आर्थिक तौर पर मजबूर है, तो फ़रमांबरदार नहीं, धोखेबाज़ ज़रूर हो सकती है। एक बीवी शौहर से सिर्फ़ इसलिए चिपकी रहती है कि रोटी-कपड़े का सहारा है, तो वह तवायफ़ से कम मजबूर नहीं। ऐसी मजबूर औरत की कोख से मजबूर और महकूम-ज़ेहनियत इंसान ही जन्म ले सकेंगे। हमेशा दूसरी तरक़्क़ीयाफ़्ता क़ौमों के रहमो-करम पर इक्तिफ़ा करेंगे। जब तक हमारे मुल्क की औरत मजबूर, लाचार, ज़ुल्म सहती रहेगी, हम इक़्तिसादी और सियासी मैदान में एहसास—ए-कमतरी का शिकार बने रहेंगे।''(इस्मत चुग़ताई- किताब 'कागज़ी है पैरहन',पेज-15)

इस्मत चुग़ताई को वतन की गंगा-जमुनी तहज़ीब से बेहद प्यार था। वतन की सांझा संस्कृति में वे अपनी भी हिस्सेदारी की बात करती थीं, ''मैं मुसलमान हूं, बुत—परस्ती शिर्क है। मगर देवमाला मेरे वतन का विरसा है। इसमें सदियों का कल्चर और फ़लसफ़ा समोया हुआ है। ईमान अलाहदा है, वतन की तहज़ीब अलाहदा है। इसमें मेरा बराबर का हिस्सा है। जैसे उसकी मिट्टी, धूप और पानी में मेरा हिस्सा है। मैं होली पर रंग खेलूं, दीवाली पर दिये जलाऊं, तो क्या मेरा ईमान मुतज़लज़ल हो जाएगा। मेरा यक़ीन और शऊर क्या इतना बोदा है, इतना अधूरा है कि रेज़ा-रेज़ा हो जाएगा।'' (इस्मत चुग़ताई-किताब 'कागज़ी है पैरहन',पेज-22)

इस्मत चुग़ताई ने 24 अक्टूबर, 1991 को इस दुनिया से विदाई ली। जाते-जाते भी वे दुनिया के सामने एक मिसाल छोड़ गईं। उनकी वसीयत के मुताबिक़ मुंबई के चंदनबाड़ी शमशान गृह में उन्हें अग्नि को समर्पित किया गया। एक मुस्लिम औरत का मरने के बाद, दफ़नाए जाने की बजाय हिंदू रीति रिवाजों से दाह संस्कार, सचमुच उनका एक आश्चर्यजनक और साहसिक फ़ैसला था। इस्मत चुग़ताई के इस फ़ैसले से उनके कुछ तरक़्क़ीपसंद साथी नाराज़ भी हुए। लेकिन चुग़ताई अलग मिट्टी की बनी हुई थीं, न तो वे अपने जीते जी कभी लीक पर चलीं और न ही मरने के बाद। इस्मत चुग़ताई की शानदार शख़्सियत के बारे में मंटो ने क्या ख़ूब कहा है, ''इस्मत पर बहुत कुछ कहा गया है और कहा जाता रहेगा। कोई उसे पसंद करेगा, कोई ना—पसंद। लेकिन लोगों की पसंदगी और ना—पसंदगी से ज़्यादा अहम चीज़ इस्मत की तख़्लीक़ी क़ुव्वत है। बुरी, भली, उरियां, मस्तूर जैसी भी है, क़ाइम रहनी चाहिए। अदब का कोई जुग़राफ़िया नहीं। उसे नक़्शों और ख़ाकों की क़ैद से, जहां तक मुमक़िन हो, बचाना चाहिए।'' (सआदत हसन मंटो-दस्तावेज-5, पेज 73)

बेतवा- पार्वती अंचल

सार-समाचार

मारपीट मामले में महिला सहित 2 को 6-6 माह की सजा

सिरोज, देशबन्धु। न्यायालय न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी अपूर्वा ताम्रकार द्वारा कुल्हाड़ी से एवं डंडों से मारपीट करने वाले आरोपी अशोक अहिरवार, धन बाई पत्नी नारायण सिंह अहिरवार निवासी ग्राम सालपुर कला थाना दीपना खेड़ा को 6- 6 माह की सजा एवं एक हजार रुपए के अर्थ दंड से दंडित किया है। शासकीय अधिवक्ता मनीष वर्मा ने बताया कि 12 जनवरी 2017 को दोपहर 1:30 बजे हरिजन कॉलोनी के सरकारी हैंड पंप पर ग्राम सालपुर कला में पानी भरने गया था। धन बाई एवं विनीता बाई ने फौदा अहिरवार के नल पर से बर्तन फेंक दिए एवं गालियां देकर अशोक अहिरवार धन बाई अहिरवार, विनीता बाई अहिरवार लाठी डंडे कुल्हाड़ी एवं लात घुसों से मारपीट कर फौदा अहिरवार को शरीर में चोटे पहुंचाई थी, जिसकी रिपोर्ट थाना दीपनाखेड़ा में की गई थी। इस मामले में विनीता बाई फरार चल रही है उसके लिए फैसला सुरक्षित रखा गया है।

प्रणय बने हड्डी रोग विशेषज्ञ

भेरुन्दा/नसरूल्लागंज, देशबन्धु। नगर के प्रतिष्ठित धामानी परिवार के सुपुत्र प्रणय खंडेलवाल ने चिकित्सा के क्षेत्र में अपना परचम लहराते हुए हड्डी रोग में एमएस की उपाधि प्राप्त कर परिवार एवं नगर का नाम रोशन किया। शुरुआत से ही पढ़ाई के प्रति समर्पित प्रणय ने मेडिकल क्षेत्र को अपना लक्ष्य बनाया। अपनी कड़ी मेहनत से भोपाल के एम्स कालेज से एमबीबीएस की डिग्री हासिल कर इसी फील्ड में आगे पढ़ाई कर जबलपुर से आर्थोपेडिक्स में एमएस किया। हड्डी रोग में विशेषज्ञता की डिग्री हासिल कर डॉ. प्रणय ने परिवार एवं नगर का नाम रोशन किया। उनके पिता दीपक खंडेलवाल हार्डवेयर व्यापारी हैं। डॉ. प्रणय की इस उपलब्धि पर उनके समस्त परिजनों के अलावा गणमान्य नागरिकों , नगर वासियों, ईष्ट मित्रों, शुभचिंतकों ने बधाई दी है।

असगर बने ब्लॉक संगठन मंत्री

सिरोंज, देशबन्धु। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ द्वारा संगठन को मजबूत बनाने हेतु प्रदेश में नई नियुक्ति करते हुए ब्लाक कांग्रेस स्तर पर संगठन मंत्री नियुक्त किए है। जिसमें जिला कांग्रेस विदिशा अध्यक्ष राकेश कटारे एवं जिला संगठन मंत्री मोहित रघुवंशी की अनुशंसा पर सिरोंज विधानसभा अन्तर्गत आने वाले ब्लाक मुरबास का संगठन मंत्री युवा कांग्रेस विधानसभा सिरोंज के पूर्व अध्यक्ष असगर खान को नियुक्त किया है। इस नियुक्ति पर असगर खान ने वरिष्ठ नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा है वो आने बाले समय में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे तथा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को वूथ स्तर तक मजबूत करेंगे। उनकी नियुक्ति पर मुरबास ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष मनफूल सिंह कुशवाह,बरिष्ठ कांग्रेस नेता लेखराज सिंह बघेल, वलदेव प्रसाद शर्मा, राजेश सहेले, इरशाद गोरी, मुरबास सरपंच उमर खान चौधरी, अभय सिंह धाकड़,सलीम खान, शकील खान, धनपाल जादौन, खालिद खान,नितिन जादौन, महेश मालवीय, अशफाक खान,राशिद खान, आदि बधाई दी है।

सर्वोदय में महिला ने दिया स्वस्थ बच्ची को जन्म

गंजबासौदा, देशबन्धु। सर्वोदय हास्पिटल में एक बार फिर सफल सीजेरियन आपरेशन के जरिए एक स्वस्थ्य पुत्री का जन्म हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मिलन निवासी एक महिला को दोपहर 3 बजे सर्वोदय हास्पिटल में भर्ती कराया गया था। जिसके बाद सिजेरियन आपरेशन के बाद महिला ने एक स्वस्थ्य बच्ची को जन्म दिया। पुत्री के पिता ने सर्वोदय हास्पिटल के डायरेक्टर गौरव जैन, डायरेक्टर डॉ. एसएस रघुवंशी एवं डायरेक्टर अमृतांशु यादव सभी को बधाइयां देते हुए उत्कृष्ट कार्य करने पर साधुवाद दिया है। ज्ञात हो की इससे पूर्व सर्वोदय में कई सफल आपरेशन किए जा चुके हैं।

विरोध के बीच प्रशासन ने सख्ती से हटाया अतिक्रमण

दोपहर बाद शुरू हुई कार्रवाई देर शाम तक जारी रही

सिरोंज, देशबन्धु। नगर पालिका प्रशासन, पुलिस एवं राजस्व के अमले द्वारा नगर में अस्थाई अतिक्रमण को सख्ती से हटाया गया। इस दौरान काफी विरोध हुआ लेकिन अनुविभागीय अधिकारी हर्षल चौधरी ने एक न सुनी और अपने काम को अंजाम दिया। आज दोपहर बाद शुरू हुई इस अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई की खबर जैसे ही नगर में फैली लोगों का तहसील रोड पर एकत्र होना शुरू हो गया। यहां विरोध के बीच प्रशासन ने सख्ती से अतिक्रमण हटाया। यह कार्रवाई देर शाम तक जारी रही।

विरोध करने पहुंचे कांग्रेसी: कांग्रेस पार्षद रामदयाल विश्वकर्मा, नदीम खान, नद्दू उदल सिंह बघेल आदि मौके पर पहुंचे और उन्होंने अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई में भेदभावपूर्ण रवैया अपनाने की बात एसडीएम हर्षल चौधरी से कही। इस पर एसडीएम ने कहा कि किसी भी प्रकार की भेदभाव पूर्ण नीति नहीं अपनाई जा रही है अपितु यदि कहीं भूलवश अतिक्रमण रह भी गया है तो जनता उन्हें बताएं उसे भी हटाया जाएगा। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि बीच में आ रहे एक भाजपा नेता के अतिक्रमण को शासन ने नहीं हटाया जबकि एक आप पार्टी के नेता का अतिक्रमण हटा दिया। एसडीएम चौधरी ने काफी समझाईश दी। इसी बीच पार्षद रामदयाल विश्वकर्मा ने यहां तक कह डाला की अतिक्रमण कार्रवाई में सांप्रदायिक भेदभाव अपनाया जा रहा है जो कि अनुचित है। इस पर एसडीएम हर्षल चौधरी ने अपने तीखे तेवर अपनाते हुए साफ कह दिया कि यदि कोई इस तरह की सांप्रदायिक भेदभाव की बात करता है तो उस पर नियम अनुसार भी कार्रवाई करेंगे, पहले उन्हें अपने कहे गए शब्द वापस लेना पड़ेंगे। जिस पर पार्षद रामदयाल विश्वकर्मा ने अपने द्वारा कहे गए शब्दों को वापस ले लिया।

एसडीओपी ने दिखाएं कड़े तेवर: कुछ लोग कार्रवाई का विरोध जताने लगे और अडंगा डालने की कोशिश करते रहे तो नवागत एसडीओपी उमेश तिवारी ने भीड़ को कड़ी फटकार लगाई और उन्हें पुलिस ने दूर तक खदेड़ा।

आप नेता ने लगाए आरोप: आम आदम पार्टी के नेता रजत सक्सेना ने आरोप लगाया है कि उनके रेस्टोरेंट का अतिक्रमण बगैर किसी नोटिस के हटा दिया गया जबकि भाजपा नेता का अतिक्रमण नहीं हटाया। उन्होंने मध्य प्रदेश शासन के अवर सचिव का एक पत्र जारी कर कहा है कि मध्य प्रदेश शासन के स्पष्ट आदेश है कि नजूल की भूमि पर वर्षा काल में अतिक्रमण वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराने तक न हटाया जाए जो रिहायाशी हैं और गुमठी आदि ही भी ना हटाई जावे परंतु फिर भी स्थानीय प्रशासन द्वारा अपनी मनमानी कर नगर में अतिक्रमण हटाया जा गया है।

एसडीएम की पत्नी का बोर्ड हटाया: एसडीएम हर्षल चौधरी की पत्नी डॉक्टर शिवानी मालवीय के क्लीनिक का बोर्ड जो अस्थाई अतिक्रमण माना गया एसडीएम हर्षल चौधरी ने उसको भी उखड़वा डाला।

अनुविभागीय अधिकारी हर्षल चौधरी ने बताया कि अस्थाई अतिक्रमण हटाने के लिए पहले से किसी नोटिस की आवश्यकता नहीं होती इस कारण आज हमने अस्थाई अतिक्रमण ही हटाए और कार्रवाई जारी रखी जाएगी। मुख्य नगरपालिका अधिकारी बीएम कुशवाहा ने कहा है कि रोड का चौड़ीकरण कराया जाकर 10 फीट और सीसी कारण कराया जाएगा, कब्रिस्तान की बाउंड्री वॉल कराई जाएगी।

11 सूत्रीय मांगों को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

मांगों को लेकर गोंगपा ने रैली निकालकर किया चक्काजाम

भेरुन्दा/नसरूल्लागंज, देशबन्धु। नगर में स्थानीय आदिवासी गोंड समाज की प्रस्तावित धर्मशाला के पास एकत्रित होकर एक सामूहिक रैली सरकार के विरुद्ध नारे लगाते हुए निकाली। नगर के दुर्गा मंदिर चौराहे पर पहुंचकर चक्का जाम कर प्रदर्शन किया। रैली में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव बलवीर सिंह तोमर एवं गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के जिला अध्यक्ष विष्णु प्रसाद धुर्वे एवं अन्य सैकड़ो लोग शामिल रहे। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी की 11 सूत्रीय मांगों को लेकर लगभग 1 घंटे तक जमकर नारेबाजी के साथ चक्का जाम किया गया। इस दौरान यात्री बसों, स्कूल बसों और भारी वाहनों की लंबी-लंबी कतारे लग गई। सूचना मिलते ही मौके पर एसडीएम एम.एस. रघुवंशी एवं थाना प्रभारी कंचन सिंह ठाकुर पुलिस अमले के साथ पहुंची। वहां पर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के लोगों से एसडीएम द्वारा बात की गई तो उन्होंने कहा कि हमारी 11 सूत्रीय मांगे हैं। जिनमें प्रमुख रूप से आदिवासी गोंड समाज को वन अधिकार द्वारा पटटे दिलाए जाएं और जो गैर समाज के लोगों के कब्जे हैं वह हटवाऐ जाएं और जो प्राइवेट स्कूल कालेज है उनको पूरे बन्द कराए जाए। वहीं गोंड समाज की परंपरा अनुसार मृत्यु उपरांत जलाया नहीं जाता शासन द्वारा हर ग्राम में उनको अंतिम संस्कार के लिए भूमि उपलब्ध कराई जाए। वहीं पूरे मध्य प्रदेश में आदिवासी महिलाओं पर जो अत्याचार हो रहे हैं उनको बंद किया जाएं ऐसी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम एसडीम ज्ञापन सौंपा गया। इस पर एसडीएम एम.एस.रघुवंशी ने प्रदर्शन करने वालों को आश्वासन दिया कि आप निश्चित रहे 15 दिन के अंदर जो काम मेरे अधिकार क्षेत्र में आता है वह जरूर कराऊंगा। तब जाकर धरना प्रदर्शन चक्का जाम समाप्त किया गया।

विद्यार्थियों को बताया मतदान का महत्व

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुगलसराय में हुई आनंद सभा

सिरोंज, देशबन्धु। 15 अगस्त को प्रारंभ हुई मतदाता जागरण साइकिल यात्रा धाम देवपुर के पश्चात विभिन्न ग्रामीण अंचलों का भ्रमण करते हुए ग्राम पंचायत मुगलसराय पहुंची। जहां यात्रियों ने ग्रामीणों से जनसंवाद कर नवीन मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित किया। साइकिल यात्रियों ने निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किए गए बारकोड के माध्यम से कैसे अपना नाम जोड़ सकते हैं पूरी गतिविधि से अवगत कराते हुए मतदान का महत्व बताया। पंचायत में जनसंवाद के पश्चात यात्रा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पहुंची जहां विद्यार्थियों के बीच आनंद सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को मतदान का महत्व एवं मतदाता सूची में नाम सरलता से कैसे जोड़े इन सबके साथ एक विशेष आनंद सभा का आयोजन किया गया जिसमें आनंद विभाग द्वारा संचालित गतिविधियों से परिचय कराया गया। साथ ही मास्टर ट्रेनर राजेश पटेल ने विभिन्न खेल गतिविधियों के माध्यम से बताया कि एक आदर्श और खुशहाल जीवन कैसे जी सकते हैं। आनंद सभा में विद्यार्थियों को सकारात्मक दृष्टिकोण, तनाव मुक्त रहने के लिए क्षमा करने की शक्ति एवं क्षमा मांगने की शक्ति, कृतज्ञता, स्वीकारता आदि विषय पर विभिन्न उदाहरण के तहत आवश्यक जानकारी से अवगत कराया। साथ ही इन सबके लिए अल्पविराम कितना महत्वपूर्ण है और अल्पविराम क्या है इसके बारे में भी विस्तार से बताया।

खुशी से खिले चेहरे: कार्यक्रम के समापन पर विद्यार्थियों से चर्चा की तो छात्र-छात्राओं ने बताया कि आज से पहले हमने कभी इस दिशा में सोचा भी नहीं था कि हम जाने अनजाने में कितनी गलती कर जाते हैं। आज एहसास हुआ है कि हमारा कर्तव्य क्या है और हम समाज के लिए बहुत कुछ दे सकते हैं उसमें सबसे पहली है खुशी। आज जो भी खेल गतिविधियों के माध्यम से हमने सीखा है वह हमारे जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों ने अल्पविराम को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प भी लिया। इस दौरान विद्यार्थी काफी उत्साहित नजर आए। कार्यक्रम के दौरान जन अभियान परिषद से नवांकुर संस्था प्रभारी रामचरण कुर्मी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

इस तरह की गतिविधियां अति आवश्यक: शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुगलसराय के प्राचार्य खूब सिंह अहिरवार ने कहा कि व्यक्तिगत जीवन को आदर्श और आनंदित बनाने के लिए इस तरह की गतिविधियां अति आवश्यक है छात्रों के बीच आज जो ऊर्जा में देख रहा हूं वह अद्भुत है। इस तरह के कार्यक्रम से ना केवल व्यक्तिगत जीवन बल्कि समाज में भी एक सकारात्मक परिवर्तन होगा।

संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में भोपाल और विदिशा का रहा दबदबा

गंजबासौदा, देशबन्धु। भोपाल संभाग के सभी जिलों के खिलाड़ियों ने पूरे दमखम से योग की विधाओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर भोपाल संभाग की टीम बनाई है। अब हम ब्लास्टर खिलाड़ी 21 अगस्त से आयोजित राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में जुटेंगे। यह बात शनिवार को स्थानीय सेंट एसआरएस स्कूल में प्रतियोगिता के समापन पर भोपाल से आई जनरल मैनेजर कुसुम शर्मा ने कही। योग की प्रतियोगिता में आरती शर्मा, राजवैधजी, पूनम दत्त भोपाल, कपिल गौड़, विजय शर्मा विदिशा ने निर्णायक की भूमिका निभाई। समापन अवसर पर संस्था प्राचार्य उमेश चंद्र यादव ने सभी खिलाड़ियों को राज्यस्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन होने पर बधाई दी। संभाग स्तरीय योग प्रतियोगिता में विदिशा और भोपाल जिले के खिलाड़ी हर विधा में हावी रहे। कोच कपिल गौड़ ने बताया कि संभाग स्तरीय योग प्रतियोगिता के परिणाम घोषित करने के लिए निर्णायक मंडल जुटा हुआ है। लेकिन बालिका एव बालक दोनों वर्ग में विदिशा जिला और भोपाल जिले के खिलाड़ियोंका दबदबा रहा ।

देश भक्त के साथ देव, मातृ और पितृ भक्त भी बनें: सत्यव्रतानंद

कानीखेडी से स्नेह यात्रा का शुभारंभ

गंजबासौदा, देशबन्धु। संतों के सानिध्य में समाज के विभिन्न वर्गों में आत्मीयता का भाव बढ़ाने और सामाजिक समरसता के उद्देश्य को लेकर स्नेह यात्रा का शुभारंभ विकास खंड में शानिवार को कानीखेड़ी से 10 बजे किया गया। यात्रा में विशिष्ट संत स्वामी ऐश्वर्यानंद सरस्वती ने कहा मानव मानव एक है और हम सब साथ रहकर राष्ट्र को आगे बढ़ाते हुए यह संकल्प लें कि घर में परिवार के साथ एवं समाज में सबके साथ भोजन और भजन करेगे तो समाज में और परिवार में समरसता का भाव आएगा एवं स्नेह बढ़ेगा और हमारा देश एक मजबूत रिश्ते मे जुड

जाऐगा। स्नेह यात्रा मे कानीखेडी , भसूडा, सेमरी, पचमा में साध्वी सत्यव्रतानंद सरस्वती ने कहा समाज में हम साथ रहकर जाति-पाति के भेद को मिटाकर साथ रहें तो हम बढ़ते हुए फिर भारत को विश्व गुरु के स्थान पर स्थापित कर सकते है। विधायक लीना जैन ने बताया स्नेह यात्रा अध्यात्म के प्रभाव के साथ-साथ समाजिक समरसता के लिए अनूठी पहल है। विश्व बंधुत्व के भाव के साथ देश के अलग-अलग स्थानों से पधारे संत-गण प्रदेश के हर जिले में यात्राएं कर रहे है। विश्व हिन्दू परिषद के पूर्व केंद्रीय सह मंत्री राजेश तिवारी ने कहा यह स्नेह यात्रा एक थाल-एक ख्याल के रूप में जोड़ने जुडने का प्रयास है । स्नेह यात्रा समाज के समस्त वर्गों के भेदभाव भुलाकर सबको एक करेगी । जिला पंचायत सदस्य गायत्री देवी रघुवंशी के विचार से साधु-संतों के सानिध्य में समाज के विभिन्न वर्गों में आत्मीयता का भाव बढ़ाने और सामाजिक समरसता के उद्देश्य को लेकर स्नेह यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन योग गुरू सैयद शफाकत हुसैन कादरी एवं पूजा श्रीवास्तव ने किया।

अपराधी बेखौफ, छात्र की मारपीट का वीडियो बनाकर किया ब्लैकमेल

मुरैना, देशबन्धु। शहर के कोतवाली क्षेत्र में रंगदारी करने वाले अपराधी बेखौफ होकर वारदात कर रहे हैं। एक पीड़ित छात्र शनिवार को कोतवाली पहुंचा और बताया कि उसकी मारपीट कर आधा दर्जन आरोपियों ने उसका वीडियो रिश्तेदारों को पहुंचा दिया और ब्लैकमेल कर रहे हैं। पुलिस द्वारा पीड़ित की रिपोर्ट पर से मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

बताया जाता है कि छात्र शिवम राठौर निवासी बाईपास रोड की गत दिवस माधौपुरा की पुलिया पर आधा दर्जन युवकों ने मारपीट कर दी तथा उसका वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम, फेसबुक पर डाल दिया एवं रिश्तेदारों को व्हाट्सएप कर छात्र को ब्लैकमेल करने लगे। पीड़ित छात्र ने शनिवार को कोतवाली पहुंचकर पुलिस को घटनाक्रम बताया। पुलिस द्वारा युवक की शिकायत पर मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

रंगदारी एवं आशिकी की घटनाएं नए कोतवाल के लिए बनी चुनौती: शहर में रंगदारी एवं आशिकी के मामलों को लेकर मारपीट एवं कट्टे से फायर किए जाने की घटनाएं कोतवाल के लिए बड़ी चुनौती बन गई है और इन पर रोक लगाने के लिए नए कोतवाल को काफी मशक्कत करनी पड़ेगी। गौरतलब है कि शहर में पुलिस तो है, लेकिन दिखाई नहीं देती तथा दिखाई भी देती है तो वह कर्मचारी सरकारी वाहन में बैठकर सायरन बजाते हुए घटनाओं को नजर अंदाज करते हुए निकल जाते हैं। पिछले काफी समय से शहर में पुलिस की सुस्ती के कारण रंगदारी मारपीट की घटनाएं तेजी से बड़ी है और पुलिस की तत्परता कहीं भी दिखाई नहीं दी है, जिससे आम जनमानस में पुलिस की छवि धूमल हो रही है।

अस्पताल में महिला मरीज से छेड़छाड़, विरोध करने पर तमंचा लहराकर दी धमकी

घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद, जिला अस्पताल में मरीज, डॉक्टर और स्टाफ की सुरक्षा खतरे में

मुरैना, देशबन्धु। जिला अस्पताल में पुलिस चौकी एवं अस्पताल के द्वारा सुरक्षा में तैनात अनेक गार्ड की मौजूदगी के बाद भी आपराधिक प्रवृत्ति के लोग अस्पताल में दाखिल होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं जिससे मरीजों में दहशत व्याप्त है। जिला अस्पताल मुरैना अब पूरी तरह से असुरक्षित हो गया है। यहां कभी भी कोई भी वारदात हो सकती है तथा सुरक्षा गार्ड के नाम पर खानापूर्ति की गई है। शनिवार की सुबह मेडिकल वार्ड में चार युवकों ने मरीज को देखने के बहाने भर्ती महिला मरीज से छेड़छाड़ की और विरोध करने पर उसके भाई को कट्टा दिखाकर धमकी दी। उक्त घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। पुलिस द्वारा एफ आई आर दर्ज करते हुए आरोपियों

की शिनाख्त कर गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मुरैना निवासी मोनू पाराशर की सिस्टर मेडिकल वार्ड में भर्ती थी, जहां बगल से ही गांव सांगोली की एक महिला भी भर्ती थी। शनिवार की सुबह चार युवक उक्त महिला को देखने आए, तभी फरियादी की बहन वहां से गुजरी तो आरोपियों ने उस पर अभद्र एवं गंदे कमेंट किए, जब मोनू ने घटना का विरोध किया तो आरोपियों ने गाली गलौज कर मारपीट की एवं तमंचा लहराकर जान से मारने की धमकी दी। इस घटना से वार्ड में दहशत फैल गई तथा आरोपी वहां से भाग निकले। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। फरियादी मोनू पाराशर द्वारा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस द्वारा आरोपियों की पहचान कर उन्हें शीघ्र गिरफ्तार करने की बात कही जा रही है। गौरतलब है कि जिला अस्पताल में आए दिन इस प्रकार की घटनाएं हो रही हैं, लेकिन अस्पताल प्रबंधन एवं पुलिस का कोई खौफ लोगों में नहीं है। आए दिन नर्स स्टाफ के साथ भी मारपीट की घटनाएं हो रही है, जबकि अस्पताल में पुलिस चौकी मौजूद है, परंतु वहां नाम मात्र के 1-2 कर्मचारी ही तैनात रहते हैं, जिससे अपराध करने वाले आरोपी बेखौफ होकर वारदात को अंजाम दे जाते हैं।

वारदात रोकने अस्पताल प्रबंधन नहीं दे रहा ध्यान: जिला अस्पताल में मरीजों के साथ तमाम अटेंडर एवं नाते रिश्तेदार मिलने के लिए आते हैं, जिससे अस्पताल में भारी भीड़ एकत्रित हो जाती है। लोगों का कहना है कि भीड़ को रोकने के लिए अस्पताल प्रबंधन को चाहिए कि वह कोई कड़े नियम लागू करें तथा मरीज के साथ एक अटेंडर ही अनिवार्य हो एवं पेशेंट से मिलने के लिए आने वाले नाते रिश्तेदारों के आई कार्ड पर से एंट्री कर उनके लिए समय निर्धारित किया जाए, जिससे इस प्रकार की घटनाओं पर कुछ हद तक रोक लग सकती है। गौरतलब है कि अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही के कारण ही जिला अस्पताल में नर्स स्टाफ के साथ आए दिन घटनाएं हो रही हैं, लेकिन तमाम घटनाओं के हो जाने के बाद भी अस्पताल प्रबंधन द्वारा कोई सबक नहीं लिया गया है।

ताप्ती तीरे

सार समाचार

दुनावा स्वास्थ्य केंद्र में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

मुलताई, देशबन्धु। छिंदवाड़ा मार्ग पर स्थित ग्राम दुनावा में शनिवार पहल अभियान अंतर्गत स्वास्थ्य केंद्र में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामवासी एवं स्वास्थ्यकर्मी आदि उपस्थित रहे। विजय पवार ने बताया कि गांव को हरा भरा बनाने के लिए उनके संगठन द्वारा पहल अभियान अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिसके तहत गांव के विभिन्न स्थानों पर लगातार पौधारोपण किया जा रहा है। इसी निम्मित शनिवार स्वास्थ्य केंद्र में पौधारोपण किया और पर्यावरण संरक्षण के लिए संकल्प लिया। इस अवसर पर मुख्य रूप से डॉ. गोकुल पाटीदार, रूपाली खाड़े, विजय पवार, राकेश बिहारे, तिलक पाठेकर, रंजीत टीटारे, राजाराम पवार, गोलू पवार, अरुण शिवहरे, हिमांशु पवार एवं विजय स्वीट्स का संपूर्ण स्टाफ उपस्थित रहा।

बच्चों ने बनाई आकर्षक चित्रकारी

बैतूल, देशबन्धु। आरडी पब्लिक स्कूल के कक्षा 5वीं के नन्हे बच्चों ने कला गुरु व युवा चित्रकार श्रेणिक जैन के मार्गदर्शन में विभिन्न थीम को लेकर एब्स्ट्रेक्ट पेंटिंग बनाई। सभी पेंटिंग है विशेष जो अपने आप में देती है संदेश। श्रेणिक जैन ने बताया है की कक्षा 5वीं की संबोधी पांडा, पलाक्षी पोटफोड़े, भूमि साहू अनुज्ञा खेड़ले ने मिलकर कैनवास के ऊपर सुंदर-सुंदर पेंटिंग उकेरी है। संबोधी की पेंटिंग में मातृत्व सौम्यता दिखाई दे रही है। तो पलाक्षी की पेंटिंग स्वर्ण, वृक्ष, जल और पर्यावरण संरक्षण के साथ दृढ़ता का संदेश दे रही हैं। वहीं अनुज्ञा की पेंटिंग फलों के प्रति आकर्षित व रंगों के सामंजस्य का बखान करती है वही भूमि की पेंटिंग पर्यावरण की खूबसूरती का वर्णन करती है।

निःशुल्क स्वास्थ शिविर आज

बैतूल, देशबन्धु। सेवा भारती और मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर मदरसा दारुल उलूम आजाद वार्ड में रविवार सुबह 10 बजे से आयोजित किया जा रहा है। सेवा भारती के सचिव दीपेश मेहता ने बताया कि सभी सामान्य बीमारियों के इलाज करने के लिए डॉक्टर और दवाइया उपलब्ध कराई जा रही है।

बगडोना हवाई पट्टी पर होगा मुख्यमंत्री का कार्यक्रम, पाथाखेड़ा स्टेडियम में बनेगा हेलीपैड

24 को आना तय, विधायक पंडाग्रे ने कलेक्टर, एसपी सहित अधिकारियों के साथ किया आयोजन स्थल का निरीक्षण

सारनी, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का विद्युत नगरी सारनी में आना तय हो गया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 24 अगस्त को दोपहर 2 बजे के लगभग बगडोना के हवाई पट्टी में उतरकर मुख्यमंत्री चरण पादुका योजना अंतर्गत तेंदूपत्ता संग्राहको को चरण पादुका, साड़ी, पानी की बोतल का वितरण करेंगे। आमसभा के कार्यक्रम के बाद विद्युत नगरी सारनी में 660 मेगावाट की सुपर क्रिटिकल इकाई का भूमि पूजन भी मुख्यमंत्री द्वारा किया जाएगा।

आमला विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे विधायक प्रतिनिधि रजीत सिंह ने बताया कि 24 अगस्त को मुख्यमंत्री के सारणी दौरे को लेकर शनिवार सुबह 11 बजे से लेकर देर शाम तक जिला प्रशासन के साथ अलग-अलग स्थानों का निरीक्षण किया। शनिवार को कलेक्टर अमरबीर सिंह बैस, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ चौहान,आमला विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीरज सोनी,घोड़ाडोंगरी तहसीलदार महिमा मिश्रा,सारनी नायब तहसीलदार संतोष पथोरिया,चोपना नायब तहसीलदार पीएस दीवान,शाहपुर एसडीएम,सारनी एसडीओपी रोशन कुमार जैन,सारनी थाना प्रभारी अरविंद कुमरे,जिला पंचायत अधिकारी सहित छोटे बड़े सभी विभाग के अधिकारियों के माध्यम से सबसे पहले शासकीय महाविद्यालय बगडोना उसके बाद एमजीएम स्कूल,फिर इंदिरा गांधी कॉलेज के स्थानों का निरीक्षण किया गया और शासकीय महाविद्यालय बगडोना प्रांगण में बड़े वाहनों को खड़ा करने का कार्य किया जाएगा जबकि एमजीएम स्कूल के आसपास की खाली मैदान में बस को खड़ा करने का कार्य किया जाएगा। इंदिरा गांधी कॉलेज के आसपास दुपहिया चार पहिया वाहनों को खड़ा किया जाएगा। मुख्यमंत्री का रोड शो किस किस स्थान से निकलेगा इसको लेकर अभी भी स्पष्ट रूट तैयार नहीं हो पाया है। एक-दो दिन में इस रूट को भी कंप्लीट करने की संभावना व्यक्त की जा रही है, जबकि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यक्रम समाप्त होने के बाद मोरडोगरी गांव में चौपाल लगाई जाना है और इस चौपाल में ही आदिवासी परिवार के घर भोजन और रात्रि विश्राम का कार्यक्रम तय है। दूसरे दिन मुख्यमंत्री चौहान सारनी से भोपाल के लिए रवाना होंगे।

परिवार परामर्श केंद्र को समाजसेवी ने भेंट की अलमारी

मुलताई, देशबन्धु। नगर के पुलिस थाने में संचालित परिवार परामर्श केंद्र में फाइलों को रखने के लिए संसाधन की कमी को दूर करते हुए शनिवार समाजसेवी लोकेश गिदकर द्वारा अलमारी भेंट की गई। इस अवसर पर परिवार परामर्श केंद्र के परामर्शदाताओ द्वारा उनका माला पहनाकर एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। परामर्शदाता एम के वर्मा द्वारा बताया गया कि कुछ दिन पहले परिवार परामर्श केंद्र पुलिस थाने से पुलिस अनुविभाग कार्यालय स्थानांतरित कर दिया गया था, जहां पर फाइल रखने के लिए एक छोटी अलमारी उन्हें दी गई थी, जो कि अपर्याप्त थी। जिसके बाद पुन: परिवार परामर्श केंद्र को पुलिस थाने में स्थानांतरित कर दिया गया। लेकिन संसाधनों के नाम पर कुछ भी ना होने के कारण फाइलों को लाने ले जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता था। जिसको देखते हुए उन्होंने लोकेश गिदकर को समस्या से अवगत कराया।

जिसके बाद उन्होंने परिवार परामर्श केंद्र के लिए अलमारी उपलब्ध कराई, जो शनिवार को भेंट की गई। इस अवसर पर थाना प्रभारी सुश्री प्रज्ञा शर्मा, परिवार परामर्श केंद्र प्रभारी प्रधान आरक्षक सोनू परमार, परामर्श दाता प्रदीप देशमुख, सुषमा चंदेल, एस के सातपुते, रोबिन सिंह परिहार, शुभम पंडाग्रे, सचिन वराठे आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

बैतूल रोड पर बस ड्राइवर की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

अचानक सामने आ गई थी स्कूली बच्चों को ले जा रही कार

मुलताई, देशबन्धु। नगर के बैतूल रोड पर स्थित बबलू भोजनालय के पास शनिवार शाम एक बड़ा हादसा ड्राइवर की सूझबूझ से टल गया। बबलू भोजनालय के संचालक बबलू पवार एवं प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शाम करीब 4:30 कोरोला पब्लिक स्कूल की ओर से बच्चों को लेकर घर जा रही एक कार अचानक से बीच रोड पर आ गई। तभी वहां से बीसीसीएल कंपनी की बालाघाट से भोपाल जाने वाली बस गुजर रही थी।

बस ड्राइवर ने तत्काल बीच सड़क पर कार को देखकर बस को नियंत्रित करते हुए सड़क किनारे उतार लिया। इससे कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि कार चालक द्वारा लापरवाही पूर्वक कार चलाते हुए बिना रोड पर देखें बीच रोड पर कार ले आई गई थी, जिस वजह से उसने स्वयं और बच्चों की जान जोखिम में डाली। बावजूद इसके कार चालक द्वारा बस ड्राइवर कंडक्टर से बहस करते हुए झगड़ा शुरु कर दिया गया था। इस दौरान मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई थी,जिसके कारण ट्रैफिक जाम होने लगा था। जिसको देखते हुए बस चालक ने बस आगे बढ़ाकर, वहा से रवाना हो गया। कार चालक की पहचान नहीं हो पाई है। बैतूल रोड पर जिस मोड़ के पास शनिवार हादसा टला, उसी स्थान पर पहले भी कई बार हादसे टल चुके हैं। कई बार दुर्घटनाएं भी घट चुकी है। नगर वासियों का कहना है कि रोज स्कूल आते जाते समय पालक एवं बच्चे इसी मोड़ से आवाजाही करते हैं।

24 घंटे में 154 मिमी बारिश, सतपुड़ा जलाशय के खोलने पड़े 7 गेट

सारनी, देशबन्धु। लगातार हो रही बारिश की वजह से सतपुड़ा जलाशय प्रबंधन को लगभग 2 घंटे तक सात गेट 8 फीट खोलना पड़ा। सात गेट खुलने पर पर सेकंड 44 हजार क्यूसेक पानी सतपुड़ा जलाशय से छोड़ा गया। उसके बाद सतपुड़ा जलाशय के सात गेट 2 फीट पर समाचार लिखे जाने तक पानी छोड़े जाने का सिलसिला जारी था। जानकारों का कहना है कि 7 गेट 2 फीट की ऊंचाई पर खुले होने की वजह से पर सेकंड 12 हजार क्यू सेक पानी छोड़े जाने का सिलसिला अभी भी जारी है। बताया जाता है कि 24 घंटे में 154 एमएम बारिश क्षेत्र में दर्ज की गई है। 16 जून से लेकर अभी तक 852 एमएम बारिश दर्ज की जा चुकी है जो कि इस वर्ष कम बारिश हुई है।

क्षेत्र में पर्याप्त मात्रा में 16 सौ एमएम बारिश होती है, लेकिन इस बारिश में बारिश का मौसम समय-समय पर दगा दे गया है। लेकिन लगातार दो दिनों से मौसम सक्रिय होने की वजह से संपूर्ण शहरी ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार बारिश का सिलसिला जारी है। सतपुड़ा जलाशय में वर्तमान समय में 1431 फीट पानी का लेवल दर्ज किया गया है। इसके अलावा सतपुड़ा जलाशय के सात गेट खोले जाने की वजह से प्रशासन द्वारा उन क्षेत्र में जहां पर पुलियों का निर्माण नहीं हो पाया है उन गांवों को अलर्ट किया गया है।

लगातार हो रही बारिश की वजह से सतपुड़ा जलाशय के सात गेट 2 फीट खोलकर पर सेकंड 12 हजार क्यूसेक पानी छोड़े जा रहा है जिसकी वजह से नर्मदा नदी भी खतरे के निशान पर पहुंच रही है। जानकारों का कहना है कि लगातार इसी तरह बारिश का दौर जारी रहा तो आने वाले समय में सतपुड़ा जलाशय की गेट की संख्या और बढ़ाई जा सकती है।

फोटोग्राफर एवं वीडियोग्राफर एसोसिएशन ने मनाया विश्व फोटोग्राफी दिवस

सारनी, देशबन्धु। लगातार अत्याधुनिक मोबाइल के बाजार में आ जाने के कारण फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी का व्यापार संकट के दौर से गुजर रहा है। यह बात फोटोग्राफर एवं वीडियोग्राफर एसोसिएशन से जुड़े कैमरामैन राजेश राठौर ने विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर बाबा मठारदेव प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि अब शहरी और ग्रामीण क्षेत्र का व्यक्ति फोटो खिंचवाने के लिए स्टूडियो में आना पसंद नहीं करता है अपने आधुनिक मोबाइल से सेल्फी लेकर एडिटिंग मिक्सिंग करके अपने मोबाइल की गैलरी में सेव रखता है जिसकी वजह से फोटोग्राफी और वीडियो का व्यापार खत्म सा होता जा रहा है। उसके बाद भी क्षेत्र के फोटोग्राफर व वीडियो ग्राफर एसोसिएशन सारनी, पाथाखेड़ा, शोभापुर,बगडोना के व्यापारी जद्दोजहद करके अपने व्यापार और घर परिवार को चला रहे हैं। विश्व फोटोग्राफर दिवस के अवसर पर क्षेत्र के फोटोग्राफर एवं वीडियो ग्राफर एसोसिएशन के पदाधिकारियों के माध्यम से सर्वप्रथम क्षेत्र के कुल देवता बाबा मठारदेव मंदिर में जाकर माथा टेकने के बाद फलदार औषधि के विभिन्न पौधे का रोपण किया और इस पौधों की देखरेख करने की जिम्मेदारी भी फोटोग्राफर एवं वीडियोग्राफर एसोसिएशन सारनी, पाथाखेड़ा,शोभापुर और बगडोना के पदाधिकारियों ने ली है। कार्यक्रम में शामिल होने वालों में दिलीप बेलसारे,मूलचंद पवार,जीवन मिर्धा, सम्पतराव पवार,मनोहर पचोरिया,राजेश राठौर, रोशन महोबे,मनीष कहार,राजेश सुनोटिया, सरोज ठाकुर, नितेश हथिया,महेंद्र आठनेर सहित अन्य फोटो एवं वीडियोग्राफर कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित थे।

प्लांट क्लिनिक में किसानों को दी खरीफ फसलों के रखरखाव की जानकारी

बैतूल, देशबन्धु। खरीफ बुआई के पश्चात किसानों को खरपतवार नियंत्रण के उपाय, कीट एवं रोगों के लक्षण निदान, मृदा स्वास्थ्य परीक्षण के आधार पर संतुलित उर्वरकों के उपयोग की सलाह देने, जैविक खाद/उर्वरक का उपयोग, कुटकी फसल की बुआई हेतु तकनीकि जानकारी देने, फसल विविधीकरण की उपयोगिता, कृषकों को एमपी किसान एप पर रजिस्टेशन करवाने एवं पशु पालन विभाग के योजनाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से जिले में क्लस्टर पंचायत स्तर पर प्लांट क्लीनिक अयोजित किए जा रहे है। शनिवार को जिले के बैतूल, भीमपुर और आमला विकासखंड की सोहागपुर, चिल्लौर, दामजीपुरा, जंबाड़ा, बोरीखुर्द पंचायतों में प्लांट क्लीनिक आयोजित किए गए। इन प्लांट क्लीनिक में कृषकों को कृषि संबंधित समसामयिक सलाह दी गई। इसके अलावा उद्यानिकी एवं मत्स्य विभाग के अधिकारियों ने भी अपने विभाग से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी। प्लांट क्लीनिक दलों में कृषि विज्ञान केन्द्र के कृषि वैज्ञानिक, अनुविभागीय कृषि अधिकारी, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी, मत्स्य निरीक्षक एवं सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी ने मौजूद रहकर किसानों को उपयोगी सलाह दी। इस दौरान बड़ी संख्या में किसान मौजूद थे।

एकता का संदेश देने भीमपुर ब्लॉक में निकली समरसता यात्रा

बैतूल, देशबन्धु। जन-जन तक एकता का संदेश पहुंचाने के उद्देश्य से प्रदेश में समरसता के भाव से ओतप्रोत समरसता यात्रा निकाली जा रही है। इसी तारतम्य में शनिवार को भीमपुर विकासखंड के चांदू रंभा, गुल्लरढाणा, रातामाटी, चोहटा, नांदा, चिखली, कुंड बकाजन, भीमपुर, आदर्श धनोरा, भीमपुर तक समरसता यात्रा निकली गई। यात्रा के दौरान ग्राम चांदू, रंभा, गुल्लरढाणा, रातामाटी, चोहटा, नांदा, चिखली, कुंड बकाजन भीमपुर, आदर्श धनोरा में जनसंवाद कार्यक्रम हुआ। तत्पश्चात यात्रा प्रमुख संत श्री अनुभवानंदजी महाराज ने कहा कि जो व्यक्ति किसी भी व्यक्ति से ऊंच नीच की भावना रखता है या किसी भी कारण किसी व्यक्ति का दिल दुखाता है वह व्यक्ति कभी परमात्मा को प्राप्त नहीं कर सकता। उन्होंने कहा जो व्यक्ति समरसता का भाव मन में रखता है तो भगवान खुद चलकर शबरी की तरह उसके द्वारा आते हैं। उन्होंने सभी जगह सभी समुदाय जाति समुदाय के लोगों से आग्रह किया कि आपस में आप सभी मिलजुल कर प्रेम भाव से एक साथ रहें। क्योंकि भगवान ने भी शबरी के जूठे बेर खाकर निषाद राज को गले लगा कर हमें इस धरती पर इसी प्रकार रहने का संदेश दिया था। जो संदेश हमारे ईश्वर ने हमें दिया है उसी को आगे बढ़ाने का कार्य हमें भी करना चाहिए। हम सभी का दायित्व बनता है हमें अपनी भारत मां की रक्षा करना है तो सर्वप्रथम हमें एक सूत्र में बंधकर प्रेम भाव से समरसता से जीवन यापन करना होगा।

स्नेह यात्रा में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक प्रिया चौधरी, जन अभियान परिषद की भीमपुर ब्लॉक की समस्त नवांकुर संस्थाओं ने सह भोज कार्यक्रम के तहत तासी नदी घोघरा घाट पहुंचकर नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रसफुटन समिति एवं ग्रामीण जनों के साथ समरसता भोज किया।

खिलाड़ियों को नहीं मिल रही कोई सुविधा, प्रशासन नहीं दे रहा ध्यान

नगर का एकमात्र खेल मैदान उपेक्षा का शिकार

मुलताई, देशबन्धु। नगर में खिलाड़ियों के लिए एकमात्र एक्सीलेंस स्कूल का खेल मैदान उपलब्ध है, लेकिन इस खेल मैदान की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि खिलाड़ी इस पर कोई खेल नहीं खेल पा रहे हैं। इस मैदान पर बनी क्रिकेट की पिच बर्बाद हो गई है और फुटबॉल का मैदान भी खराब हो चुका है। हालत यह है कि मैदान के एक हिस्से में ओपन जीम तक जाने के लिए लोगों को कीचड़ में से जाना पड़ रहा है। खिलाड़ियों के लिए बनाए गए विश्राम गृह में ताले लगे हुए हैं और उनकी खिड़की दरवाजे तक टूट गए हैं। मैदान की हालत को लेकर कई बार प्रशासन को ज्ञापन दिया जा चुका है, लेकिन प्रशासन द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। मैदान के चारों ओर बाउंड्री वाल बनाई गई थी, लेकिन कुछ शरारती तत्वों ने एक ओर से बाउंड्री वाल को भी तोड़ दिया है। वहीं स्टेज के पीछे बने बैक रूम की दिवाले भी छतिग्रस्त हो चुकी है, इस रूम में लोग गंदगी फैला रहे है। खिलाड़ियों ने बताया कि मैदान पर कोई व्यवस्था भी नहीं है जिससे कि उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

इसी मैदान पर होते हैं कई आयोजन: नगर के एकमात्र खेल मैदान को आयोजन स्थल भी कहा जा सकता है। क्योंकि इसी मैदान पर विभिन्न प्रकार के राजनैतिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी करवाया जाता है। जब भी आयोजन होते तो इस मैदान पर वाहन आते हैं एवं जिससे मैदान बार-बार खराब हो जाता है। खिलाड़ियों की मांग है की खेल मैदान को खेल मैदान रहने दिया जाए।

लाइट की नहीं है व्यवस्था, रात में नहीं हो सकती कोई खेल प्रतियोगिता: मैदान पर लाइट की व्यवस्था नहीं है इसलिए रात में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन यहां नहीं हो सकता। जबकि वॉलीबॉल सहित अन्य खेलों में रात्रि खेलों का अपना चाव है। खिलाड़ी चाहते है कि रात में भी प्रतियोगिताएं संपन्न हो, जिससे कि खिलाड़ियों का और अधिक आकर्षण खेलों की ओर बढ़े।

रात में मैदान की सीढ़ियों पर सजती है महफिल: रात के समय मैदान की सीढ़ियों पर जगह-जगह शराबी शराब पीते हैं एवं शराब पीने के बाद बोतले यहां फोड़कर चले जाते हैं। सुबह मैदान पर खेलने वाले खिलाड़ी रोजना आकर इसको साफ करते हैं। इसको लेकर भी कई बार प्रशासन को ज्ञापन दिया गया है, लेकिन उचित कार्यवाही नहीं होने से आए दिन इस तरह की समस्या का सामना खिलाड़ियों को करना पड़ता है।

इंतजार खत्म, सीजन में पहली बार खुले तवा बांध के गेट

इटारसी, देशबन्धु। तवा बांध के गेट इस मानसूनी सीजन में पहली बार खुल गये हैं और इसी के साथ बांध के गेट से बनने वाले कृत्रिम जलप्रपात का नजारा देखने वालों की खुशियों का ताला भी खुल गया है। अब तवा बांध पर पहुंचने वाले सैलानियों का जमावड़ा होना प्रारंभ होगा।

आज दोपहर करीब साढ़े 12 बजे कलेक्टर नीरज कुमार सिंह की मौजूदगी में बांध के गेट खोले गये हैं। बांध से 42430 क्यूसेक पानी तवा नदी में छोड़ा जा रहा है। बांध के गेट खुलने की जानकारी मिलने पर बांध स्थल पर लोगों का पहुंचना भी प्रारंभ हो गया है। अभी आसपास के लोग पहुंच रहे हैं। यदि कल भी गेट खुले रहते हैं तो रविवार होने के कारण बांध स्थल पर बड़ी संख्या में सैलानी पहुंचेंगे।

बांध के गेट खोलने से पूर्व बांध प्रबंधन और प्रशासन की तरफ से तवा नदी के आसपास के गांवों को अलर्ट कर दिया है। जिला प्रशासन ने भी कहा है कि नदी के तटों से दूर रहें। नदी के किनारे बसे गांवों के लोगों को भी सतर्क रहने को कहा गया है।बांध के कैचमेंट एरिया के साथ पचमढ़ी और बैतूल क्षेत्र में अच्छी बारिश होने से बांध में पानी लगातार बढ़ रहा है और सुबह बांध

के गवर्निंग लेबल 1163 फुट तक पानी पहुंच गया था। आगे भी बारिश की अच्छी संभावना बन रही है, अत: हो सकता है कि बांध के गेट रविवार को भी खुले रहें।

अच्छी वर्षा हुई है– बीती रात तवा बांध के कैचमेंट एरिया में अच्छी बारिश हुई है। कैचमेंट एरिया में बारिश होने से सुबह 6 बजे बांध का जलस्तर 1162.40 था और लगातार पानी आने से यह गवर्निंग लेबल 1163 तक पहुंच गया है। फिलहाल पावर हाउस को 3600 क्यूसेक पानी दिया जा रहा है। कैचमेंट एरिया में 23.40 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

पचमढ़ी में सर्वाधिक वर्षा– मध्यप्रदेश में दूसरी बार झमाझम बारिश का दौर प्रारंभ हुआ है। प्रदेश में सबसे अधिक 104 मिमी वर्षा पचमढ़ी में दर्ज की गई है। बैतूल में इस दौरान 59.6 मिमी पानी बरसा। ये दोनों स्थानों की वर्षा तवा बांध में जलस्तर को बढ़ाती है। बांध में लगातार पानी आने के कारण जिला प्रशासन ने बांध के पांच गेट पांच फीट ऊंचाई तक खोलकर 42,430 क्यूसेक पानी छोड़ने का निर्णय लिया और दोपहर में बांध के गेट खोले गये।

नर्मदापुरम जिले में वर्षा – नर्मदापुरम 27.2 मिमी, सिवनी मालवा 47 मिमी, इटारसी 44.4, माखननगर 15, सोहागपुर 39, पिपरिया 64.6 मिमी, बनखेड़ी 97, पचमढ़ी 104 और डोलरिया 21 मिमी। जिले में औसत 51 मिमी वर्षा हुई है।

बरगी बांध के 9 गेट खुलने पर नर्मदा में पानी बढ़ेगा

जबलपुर क्षेत्र में भारी बारिश के कारण बरगी बांध में भी जलस्तर बढ़ रहा है। ऐसे में बरगी बांध के गेट भी आज शाम को खोलने की सूचना बरगी बांध के कार्यपालन यंत्री एके सूरे ने जारी की है। वर्तमान में तवा बांध के गेट खुले हैं और बरगी के गेट भी खुल जाएंगे तो नर्मदा नदी में पानी बढ़ेगा।

बताया गया है कि आज बरगी बांध का लेवल 421.75 मीटर तक पहुंच गया है जो लगभग 92 प्रतिशत भर चुका है। विगत 48 घंटे में 66 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। अत: आज 19 अगस्त को शाम 6 बजे, 9 गेटों को औसत उंचाई 1.16 मीटर तक खोलते हुए 1588 घन मीटर प्रति सैकंड, जल की निकासी की जाएगी। उन्होंने लोगों से अनुरोध किया है कि किसी प्रकार की दुर्घटना और अप्रिय स्थिति से बचने के लिए नर्मदा नदी तट से पर्याप्त दूरी बनायें रखें।

दस्तक अभियान की गतिविधियों का कलेक्टर ने लिया जायजा

नर्मदापुरम, देशबन्धु। जिले में दस्तक अभियान के तहत स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग के मैदानी कार्यकर्ताओं के संयुक्त दल द्वारा 5 वर्ष तक के बच्चों के घर-घर जाकर उनकी चिकित्सीय जांच एवं आवश्यक उपचार, प्रबंधन सुनिश्चत करने की गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। शनिवार को कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर मैदानी स्तर पर दस्तक अभियान के क्रियान्वयन की स्थिति देखी। सबसे पहले कलेक्टर सोहागपुर के ग्राम सेमरी पहुंचे।

उन्होंने यहां आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 5 का निरीक्षण कर 0 से 5 वर्ष तक के कुपोषित, जन्मजात विकृति सहित अन्य रोगों से ग्रसित बच्चों के स्क्रीनिंग की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान ग्राम के कुल बच्चे एवं उनकी स्क्रीनिंग की जानकारी सही तरह से संधारित न करने तथा स्क्रीनिंग में भी लापरवाही पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित एएनएम को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही फील्ड पर दस्तक अभियान की मॉनिटरिंग में लापरवाही पर बीएमओ सोहागपुर संदीप केरकेट्टा को भी नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसके बाद कलेक्टर ने ग्राम जमुनिया के आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 1 का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां सीएचओ और एएनएम से बच्चों की स्क्रीनिंग एवं गर्भवती महिलाओं के एएनसी चेकअप की जानकारी ली। उन्होंने स्वयं की बीपी की जांच कराकर यह देखा कि बीपी की जांच सही ढंग से की जाती है या नहीं। उल्लेखनीय है कि गत दिवस कलेक्टर ने मातृ मृत्यु के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान यह पाया था कि गर्भवती महिलाओं के प्रसव के दौरान हाई बीपी के कारण जोखिम की स्थिति निर्मित होती है। जिसके चलते उन्होंने एएनएम के माध्यम से गर्भवती महिलाओं की हाईबीपी, हीमोग्लोबिन सहित अन्य आवश्यक जांचें समय पर और गुणवत्तापूर्ण करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद कलेक्टर ने ग्राम चीचली के आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर अभियान की गतिविधियों का जायजा लिया। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा बीएमओ सोहागपुर को सख्त निर्देश दिए कि दस्तक अभियान में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अभियान का प्रभावी ढंग से क्रियान्वन किया जाए। 5 वर्ष तक के सभी ऐसे बच्चे जो गंभीर कुपोषित जन्मजात विकृति सहित अन्य रोगों से ग्रसित है उनकी जांच कर उनका बेहतर उपचार सुनिश्चित कराएं। उन्होंने अभियान में मंगलवार तक प्रगति लाने के निर्देश सीएमएचओ को दिए। कलेक्टर ने ग्राम जमुनिया एवं चीचली के मतदान केंद्रों का भी निरीक्षण कर विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की गतिविधियों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ दिनेश देहलवार, एसडीएम सोहागपुर ब्रजेश रावत, नायब तहसीलदार अंजु लोधी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

एमजीएम स्कूल में प्लेनेटेरियम शो का प्रदर्शन

इटारसी, देशबन्धु। एमजीएम स्कूल इटारसी में जेमिनी प्लेनटिरियम, भिलाई के भारत भूषण शर्मा एवं आर्यन सिंग द्वारा शो का प्रदर्शन आज 19 अगस्त को किया जिसमें कक्षा से 12 वीं तक के छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम से आनंद के साथ ज्ञान प्राप्त किया।

शो में बच्चों को बहुत ही मनोरंजक ढंग से चांद व पृथ्वी के साथ अन्य ग्रहों का परिचय दिया गया। कक्षानुसार सभी वर्ग के विद्यार्थियों को अंतरिक्ष के विषय में जानकारी +360 इंच स्क्रीन के डोम के अंदर दिया गया। छात्रों को ब्लैक होल के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह बेहद शक्तिशाली गुरुत्वाकर्षण वाला स्थान है। जिसके खिंचाव से कोई नहीं बच सकता। यहां तक कि प्रकाश भी यहां प्रवेश करने के बाद बाहर नहीं निकल पाता। शो के द्वारा बच्चों में बौद्धिक व मानसिक स्तर का विकास हुआ एवं अंतरिक्ष के प्रति उत्सुकता जागृत हुई इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य एवं सभी स्टाफ उपस्थित रहा।

महिला संगठन ने हरियाली तीज पर्व मनाया

इटारसी, देशबन्धु। सर्व ब्राह्मण महिला संगठन द्वारा स्थानीय रेस्टोरेंट में हरियाली तीज का आयोजन धूमधाम से मनाया। आयोजन की शुरुआत राष्ट्र भक्तिगीत से की गई।

अध्यक्ष प्रीति दुबे, सचिव सुषमा पाण्डेय ने उपस्थित जनों का स्वागत किया। आयोजन को सावन के गीतों से सजाया श्रीमती उमा अर्चना शुक्ला, संगीता शर्मा अनुराधा शर्मा ने। कार्यक्रम में संरक्षक मंडल के सदस्य श्रीमती कल्पना शर्मा, श्रीमती प्रतिभा दुबे, श्रीमती नीति पांडे, श्रीमती किरण तिवारी के सुरीले गीतों ने कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की। संचालन श्रीमती सुषमा पाण्डेय ने किया।

इस अवसर पर साधना सिलाकारी ज्योति पराशर,अंचल तिवारी लीना शर्मा,

शीतल दुबे, अनिता शर्मा, अनिता जोशी, संविदा पाठक, नीता चौबे, पूनम शर्मा, पूर्वा दुबे, निधि आचार्य ने तीज के गीतों की शानदार प्रस्तुति दी। श्रीमती माधवी मिश्रा, इंद्र तिवारी ने उन्मुक्त कंठ से आयोजन की प्रशंसा की। आयोजन में अजीता शुक्ला, शीतल तिवारी, ज्योति शर्मा, वीना तिवारी, कुसुम तिवारी, अर्चना तिवारी, कामनी शर्मा, सुधा शर्मा, सुनीता जोशी, श्वेता मिस्त्रा, नीतू दुबे, सुमन दुबे, कीर्ति तिवारी, प्रोफेसर अर्चना शर्मा, रेखा वैष्णो, कल्पना तिवारी, अनीता तिवारी तिवारी, राजकुमारी दुबे, सुनीता शर्मा, मीना शर्मा, अनिता तिवारी, उषा शर्मा, प्रीति अजय सहित अन्य ब्राह्मण समाज की महिलाओं ने भाग लिया।

राशन न मिलने की समस्या का हुआ समाधान, अधिकारियों ने घर पहुंचाया 3 माह का राशन

नर्मदापुरम,देशबन्धु। जिले के सिवनी-मालवा निवासी 80 वर्षीय बुजुर्ग गायत्री बाई 3 माह से राशन नहीं मिलने की समस्या से परेशान थी। उन्होंने बताया कि चलने फिरने में समस्या होने कारण वे राशन दुकान से राशन लेने नहीं जा पा रही थी। गायत्री बाई ने सीएम हेल्पलाइन में शिकायत की। शिकायत का चयन मुख्यमंत्री कार्यालय में किया गया। वहां से शिकायत के त्वरित निराकरण करने के लिए आदेश आए।

बुजुर्ग महिला ने बताया कि जिसके बाद अधिकारियों द्वारा मुझ से संपर्क किया गया और मेरे घर पर ही मुझे तीन माह का निशुल्क राशन उपलब्ध कराया गया जिससे मैं संतुष्ट हूं। जिले के आवेदनकर्ताओं में यशवंत पटेल, गिरिजा शंकर यदुवंशी सहित अनेक आवेदनकर्ता अपनी समस्या के संतुष्टिपूर्वक किए गए समाधान से खुश हैं। उल्लेखनीय है कि जिले के नागरिकों द्वारा मुख्यमंत्री को जो समस्याएं, शिकायतें भेजी जाती हैं। उन्हें मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जिला प्रशासन को प्रेषित कर त्वरित निराकरण के निर्देश दिए जाते हैं। 14 अगस्त से 16 अगस्त तक मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा नर्मदापुरम जिले की 21 शिकायतों को निराकरण के लिए भेजा गया। कलेक्टर नीरज कुमार सिंह द्वारा उतनी ही संवेदनशीलता के साथ तत्परतापूर्वक सभी 21 शिकायतों का त्वरित निराकरण कराया गया। कलेक्टर के निर्देश पर उक्त शिकायतों से संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा जल्द से जल्द लोगों की समस्याओं का निराकरण के लिए शिकायतकर्ताओं से व्यक्तिगत संपर्क किया गया तथा उनकी समस्या का संतुष्टि पूर्वक समाधान भी किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय कुख्यात बाघ तस्कर आदिन सिंह स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स की गिरफ्त में

नर्मदापुरम, देशबन्धु। अंतर्राष्ट्रीय कुख्यात बाघ शिकारी और तस्कर आदिन सिंह उर्फ कल्ला बावरिया को स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स ने गिरफ्तार कर लिया है। वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो भारत सरकार नई दिल्ली से मिली खुफिया जानकारी के आधार पर 18 अगस्त को विदिशा-सागर राजमार्ग में ग्यारसपुर के पास से घेराबंदी पकड़ा। उप वन संरक्षक कार्यालय प्रधान मुख्य वनसंरक्षक भोपाल धीरज चौहान ने बताया कि भारत सरकार द्वारा बाघों के शिकार पर जारी अलर्ट पर कार्यवाही करते हुए देश के अलग-अलग प्रदेशों के वन विभाग पुलिस विभाग तमिलनाडू, महाराष्ट्र, असम, मेघालय में बाघ की खाल व हड्डियों की भारी मात्रा में जप्ती की गई हैं तथा उसके शिकार एवं तस्करी में लिप्त उत्तर भारत निवासी विशेष शिकारी गिरोह (बावरिया) के कई सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही से बचने के लिए कल्ला बावरिया प्रदेश के विदिशा-सागर जिले में डेरा लगा कर रह रहा था। कल्ला के खिलाफ देश में के कई राज्यों में तथा पड़ोसी देश नेपाल में भी बाघ के शिकार और उसके अवयवों की तस्करी के प्रकरण दर्ज है। बावरिया की विगत कई वर्षों से कई राज्यों की पुलिस, वन विभाग एवं नेपाल सेन्ट्रल इन्वेटिगेशन ब्यूरो (सीआईबी) तलाश रही थीं।

फोटो संकलन से संजोई हैं अनोखी स्मृतियां

स्मृतियां सहेजना कोई जगदीश कौशल सर से सीखे

कहते हैं हमारा जीवन एक किताब की तरह है। यह किताब बहुत रोचक भी हो सकती है,नीरस भी। व्यक्ति खुद अपने जीवन की किताब को रोचक बना सकता है। कोई भी कृति यदि रोचक है और उसमें मानवीय रूचियों के अनुरूप सामग्री है तो उस किताब में दिलचस्पी लेने वाले ज्यादा लोग देखने को मिलेंगे। किसी किसी का जीवन नीरस हो जाता है। व्यक्ति खुद से हताश और निराश होने लगता है। जीवन जिंदादिली का नाम है। इस संसार में हम मन लगाने आए हैं। यदि कोई कहे, मुझे यह चिंता है, यह अवसाद है, मुझे जिंदगी से निराशा हो रही है। इतनी बुरी घटना या दुर्घटना मेरे साथ हुई है ,हताश हो गया हूं, तो उससे मित्र और रिश्तेदार भी कटने लगते हैं। दूसरी तरफ व्यक्ति हंसमुख, मिलनसार और सहज तरीके से जीवन जीता है तो उस बिंदास व्यक्तित्व के चारों ओर लोग मंडराते मिलेंगे। ऐसे व्यक्ति से सभी संपर्क रखना चाहते हैं। हंसना, खिलखिलाना ईश्वर का उपहार है। इस उपहार का सम्मान हमें करना चाहिए। यह सब बातें लिखने का उद्देश्य आप सभी को ऐसे व्यक्तित्व से परिचित करवाना है जिन से मैं बहुत प्रभावित हुआ हूं। मैं अपने जीवन में बमुश्किल 10 या 20 लोगों से बहुत प्रभावित हुआ हूं।इनमें मेरे जनसंपर्क के प्रथम गुरु श्री जगदीश कौशल जी भी हैं। मैं जनसंपर्क अधिकारी बनने के पहले 5 बरस पत्रकारिता कर चुका हूं। मेरा श्री शंभू दयाल नामदेव, डॉ राजेंद्र कुमार, श्री पुरंजय चतुर्वेदी,श्री कपूरिया, श्री कृष्ण चंद्र मौली, अशोक कुमार मिश्रा, रामबाबू त्रिपाठी ,सुरेश गुप्ता जी रविंद्र पंड्या जी से परिचय और संपर्क था। जनसंपर्क विभाग में आने के बाद जबलपुर में मुझे कौशल साहब से फोटोग्राफी और सरकारी समाचार लिखने का प्रशिक्षण मिला।

जीवन का महत्वपूर्ण अध्याय है नौकरी एकमात्र नहीं

श्री जगदीश प्रसाद कौशल को उनकी 90 वीं जन्म वर्षगांठ पर बधाइयां दी जा रही हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि वे आज भी कार ड्राइव करते हैं।मित्रों,शिष्यों,शुभचिंतकों आदि ने उनकी दीर्घायु की कामना की है। मध्यप्रदेश जनसम्पर्क विभाग में लगभग चार दशक कार्य करते हुए जनसम्पर्क के विभिन्न आयामों को छूते हुए उन्होंने अलग पहचान बनाई है। वे करीब तीस बरस पहले अपर संचालक के पद से सेवानिवृत्त हुए लेकिन उनके आज भी जनसम्पर्क अधिकारियों और मीडिया के साथियों से संपर्क बना हुआ है। कहते हैं जीवन की पुस्तक के कई अध्याय होते हैं। इसमें हमारी नौकरी या उद्योग व्यवसाय में सक्रिय रहना एक सबसे बड़ा अध्याय हो सकता है। लेकिन यह पुस्तक का एकमात्र अध्याय नहीं है। जीवन के छोटे-छोटे कई अनेक अध्याय हैं जो ज्यादा रुचिकर हो सकते हैं। ऐसा ही रुचिकर अध्याय कौशल जी ने रिटायरमेंट के बाद जिया है और आज भी जी रहे हैं।

फोटोग्राफी का जुनून

छायाकंन में कौशल सर की विशेष दक्षता है। भारतीय साहित्य के सितारों में शामिल प्रख्यात कवि सुमित्रानंदन पंत, गीतकार गोपालदास नीरज, व्यंग्यकार शरद जोशी,एकांकी विधा के हस्ताक्षर राम कुमार वर्मा, बांसुरी वादक रघुनाथ जी के साथ उनके विशेष संबंध रहे। महादेवी वर्मा जी ने श्री कौशल की फोटोग्राफी की प्रशंसा की थी। महादेवी जी के रीवा के पास चचाई जलप्रपात के भ्रमण के दौरान लिये गये छायाचित्रों का संकलन श्री कौशल आज भी संजोए हुए हैं। हिंदी सिनेमा के श्लाका, पुरूष पृथ्वीराज कपूर से भेंट और उनकी तस्वीरें लेने का अवसर भी आपको मिला। जीवन के नौवें दशक में आज कौशल जी स्वयं को युवा महसूस करते हैं। जनसम्पर्क विभाग के ही सेवानिवृत्त अपर संचालक और पत्रकारिता विश्वविद्यालय के संस्थापकों में से एक प्रमुख संस्थापक अरविंद चतुर्वेदी जी उनके अरेरा कालोनी के पड़ोसी हैं। प्रतिदिन इनका कुछ समय साथ ही व्यतीत होता है। राजधानी में होने वाले सांस्कृतिक,साहित्यिक कार्यक्रमों में भी कौशल जी अभी भी उस अवस्था में भी भागीदारी करते हैं। चार वर्ष पहले हिंदी भवन,भोपाल में एक प्रदर्शनी में कौशल जी के खींचे चुनिंदा छायाचित्र प्रदर्शित किये गये। इस प्रदर्शनी का नाम दिया गया-अनभिव्यक्त की अभिव्यक्ति। प्रदर्शनी को हजारों लोगो ने देखा और पसंद किया। कौशल जी किसी समय बॉक्स कैमरे का भी उपयोग करते थे। सूचना प्रकाशन (जनसम्पर्क) विभाग में साल 1987 में जब जबलपुर में मैंने जनसम्पर्क अधिकारी के रूप में काम शुरू किया तो श्री कौशल संयुक्त संचालक के रूप में पदस्थ थे। उन्होंने मुझे ग्रामीण हाट बाजारों से लेकर मंडला जिले के बैगा चक,मंडला के कान्हा किसली और डिंण्डौरी के फासिल्स पार्क की सैर करवाई। उन्होंने अपने कैमरे से फोटो क्लिक करने का अवसर भी दिया। श्री कौशल ने महाकौशल क्षेत्र के रामगढ़ की रानी अवन्ती बाई के स्वतंत्रता प्राप्ति के संघर्ष की गाथा को प्रचारित किया। दिल्ली के गणतंत्र दिवस समारोह में प्रदर्शित रानी अवन्ती बाई की झाँकी काफी सराही गई।

प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में मिली छायाचित्रों को जगह

श्री जगदीश कौशल धर्मयुग, साप्ताहिक हिंदुस्तान जैसी राष्ट्रीय पत्रिकाओं के भी जुड़े रहे हैं। यही नहीं कादम्बिनी, सारिका, पराग और जनसंपर्क विभाग की पत्रिका मध्यप्रदेश संदेश में भी विकास पर केंद्रित छायाचित्रों के साथ ही जीवन के विविध पहलुओं को दिखलाते उनके छायाचित्र प्रकाशित हुए । इंदौर में जन्मे श्री कौशल को पिता के तबादले के के पश्चात नौगांव आना पड़ा और तब जीवन में एक मोड़ आया यहां उनकी मुलाकात ऐसे व्यक्ति से हुई जिन्होंने पहली बार कौशल साहब को डार्क रूम दिखाने और फोटोग्राफी की बारीकियां बताने का कार्य किया।

कैसे बढ़ा छायांकन कला में रुझान

श्री जगदीश प्रसाद कौशल जी से जब मैंने, फोटोग्राफी में रुझान कैसे बढ़ा, इस बाबत सवाल पूछा तो उन्होंने अतीत में होते हुए याद करते हुए बताया कि वर्ष 1946 की बात है। यह वर्ष जीवन में विशेष वर्ष सिद्ध हुआ। इस वर्ष अर्थात 1946 में पहली बार श्री भगवान दयाल श्रीवास्तव जी के साथ डार्करूम देखने और कैमरे के उपयोग की जानकारी मिली थी। जब काले परदों से कक्ष की खिड़कियों को ढककर बनाये गये डार्करूम में फोटो डेवलप करने की कला भी मैंने सीखी थी। इसके बाद इस विधा में दिनों-दिन पारंगत होता गया। तरह-तरह के कैमरों के उपयोग को भी कौशल जी ने सीख लिया। फोटोग्राफी के उस दौर के पुराने फोटो प्रिंट और निगेटिव संभालकर रखने वाले कौशल जी, संचालक जनसम्पर्क रहे श्री ईश्वर सिंह परिहार को भी याद करते हैं। उन्हें याद करते हुए कौशल सर बताते हैं कि श्री परिहार ने सूचना प्रकाशन विभाग में फोटोग्राफी के महत्व को समझते हुए इस कला में रूचि रखने वाले अधिकारियों को भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली से प्रशिक्षण भी दिलवाया था। इस प्रशिक्षण का व्यवहारिक लाभ भी जनसंपर्क विभाग को प्राप्त हुआ

रघु राय को मानते हैं आदर्श

श्री जगदीश कौशल जी, भारत के जाने माने छायाकार रघुराय जी को फोटोग्राफी में अपना आदर्श मानते हैं। श्री रघु राय इतने विलक्षण व्यक्तित्व के धनी हैं और उन्होंने फोटोग्राफी में असाधारण ढंग से अतुलनीय कार्य किया है कि इसके उदाहरण फोटोग्राफी के विद्यार्थियों को दिए जाते हैं। इसके साथ ही कौशल साहब किसी भी कार्य में निरंतर साधना को सफलता के लिए आवश्यक मानते हैं।

वे गुण जिन्होंने कौशल जी को सफलताएं दिलवाई

कौशल साहब समय के पाबंद, परिश्रमी और मधुर व्यवहार ,सहज स्वभाव के धनी हैं। इन्हीं गुणों ने उन्हें सफलता की ऊंचाइयों दिलवाई हैं।तभी तो उनका मानना है कि फोटोग्राफी करने वाले को ऊर्जा से भरपूर होना चाहिए। उसका दृष्टिकोण भी सकारात्मक होना चाहिए। साथ ही यदि व्यक्ति अध्ययनशील है और उसका सामान्य ज्ञान बहुत अच्छा है तो फोटोग्राफी का कार्य बहुत आसान हो जाता है। मधुर व्यवहार, विनम्रता, परिश्रम और लोगों से मिलने जुलने की प्रवृत्ति, बातचीत की आदत इस कला में नई ऊंचाइयां दिलवाती है। आज जीवन के नौ दशक पूर्ण कर दसवें दशक में कौशल सर प्रवेश कर रहे हैं। उनके सैकड़ो विद्यार्थी उनके दीर्घायु,शतायु , सदैव स्वस्थ होने की कामना करते हैं जिनमें मैं भी एक हूं।

अशोक मनवानी
उप संचालक,जनसंपर्क

देश के यशस्वी गृह एवं सहकारिता मंत्री

श्री अमित शाह जी

का भोपाल में हार्दिक

अभिनंदन

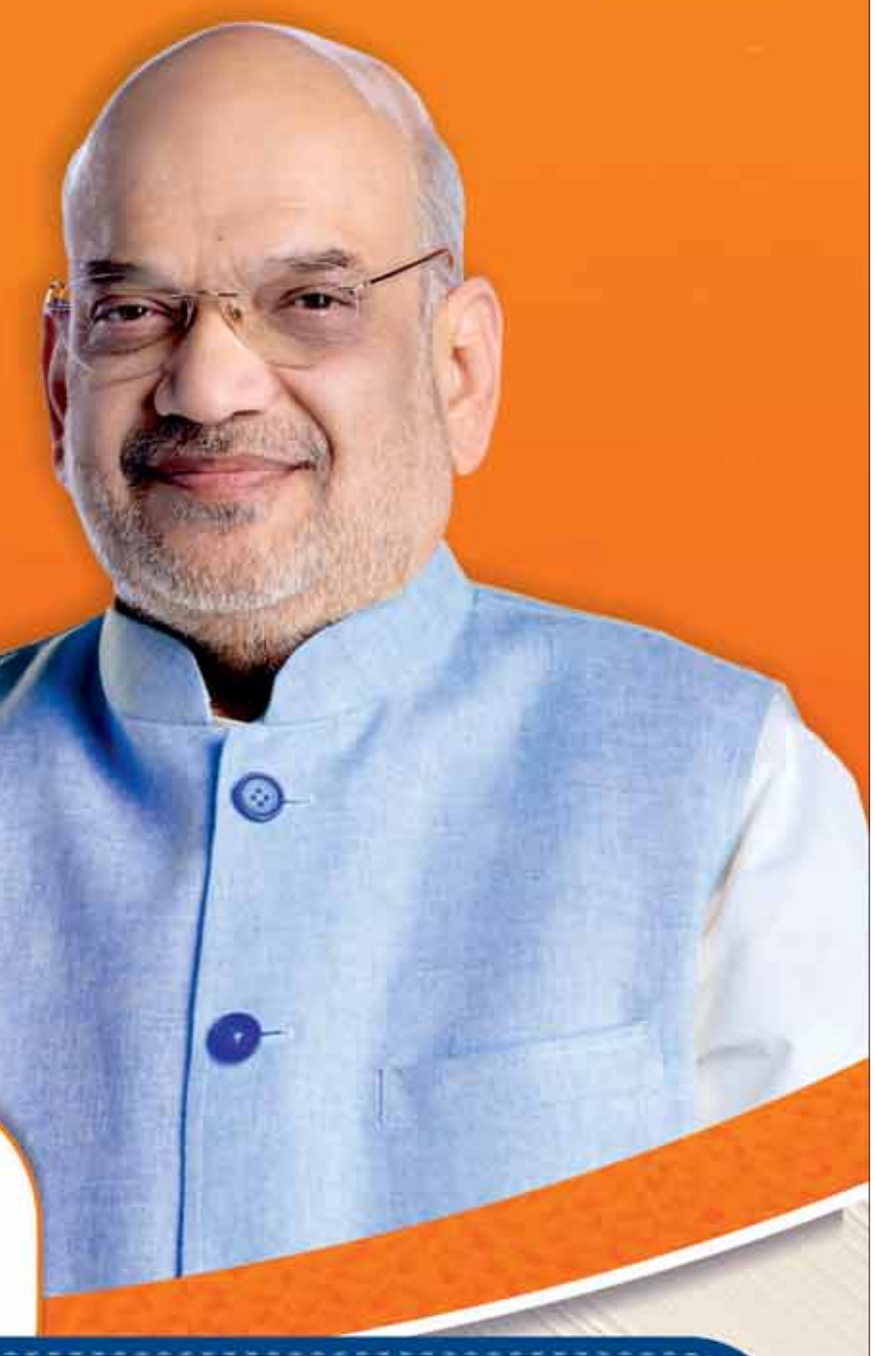

20 साल विश्वास के विकास के

गरीब कल्याण महाअभियान की शुरूआत एवं रिपोर्ट कार्ड विमोचन

20 अगस्त 2023 | पूर्वाह्न 11:00 बजे

मुख्य अतिथि: श्री अमित शाह

कार्यक्रम स्थल : कुशाभाऊ ठाकरे सेंटर, भोपाल, मध्यप्रदेश

गरीब कल्याण महाअभियान

कार्यक्रम से लाइव जुड़ने के लिए QR कोड पर स्कैन कीजिए

D-11084/23

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा श्री सिद्धि विनायक प्रिंटर्स, प्लाट नं. 26 बी देशबन्धु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल म.प्र. 462011 से मुद्रित एवं प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली*** फोन 0755-4222971, ई-मेल deshbandhubpl1@yahoo.co.in प्रेस पंजीयन-प.स. 45096/85 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।